श्रमसाधना

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

हम बनेंगे आपकी आवाज़ स्कैन करें और चैनल से जुड़े

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 25 ग्वालियर, बुधवार 26 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया लोकार्पण, रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

मालनपुर में गोदरेज के नए प्लांट का शुभारंभ

भिंड जीएनएस

भिंड जिले के मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार को उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का सिंगल क्लिक के माध्यम से शुभारंभ किया। इस नए संयंत्र की शुरुआत से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

मालनपुर में बढ़ेगा औद्योगिक निवेश : मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में शामिल है। यहां नए उद्योगों की स्थापना से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हो रहा है। गोदरेज जैसे बड़े उद्योग समूह के नए प्लांट की शुरुआत से मालनपुर की औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी।

नए संयंत्र के माध्यम से उत्पादन गतिविधियां शुरू होने के साथ इससे जुड़े परिवहन, पैकेजिंग, सप्लाई चेन और अन्य सहायक क्षेत्रों में भी रोजगार एवं व्यवसाय के अवसर बढ़ेंगे। इससे स्थानीय व्यापारियों और छोटे उद्योगों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर : प्लांट की शुरुआत से भिंड जिले और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलने की उम्मीद है। औद्योगिक इकाइयों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों की मांग बढ़ती है, जिससे युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।

औद्योगिक विकास के साथ क्षेत्र में कौशल विकास और तकनीकी प्रशिक्षण की

आवश्यकता भी बढ़ेगी, जिससे युवाओं को बेहतर रोजगार के लिए तैयार किया जा सकेगा।

निवेश को बढ़ावा देने पर सरकार का जोर : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक निवेशक यहां आकर अपनी इकाइयां स्थापित करें। उन्होंने कहा कि नए उद्योगों की स्थापना से केवल आर्थिक गतिविधियां ही नहीं बढ़तीं, बल्कि रोजगार, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को भी मजबूती मिलती है। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में औद्योगिक विकास पहुंचे और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हों।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा : गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के नए प्लांट की शुरुआत को मालनपुर और भिंड जिले के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे क्षेत्र में निवेश का माहौल मजबूत होगा और आने वाले समय में अन्य उद्योगों के लिए भी रास्ते खुलेंगे। स्थानीय स्तर पर लोगों को उम्मीद है कि इस परियोजना से रोजगार के साथ-साथ क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं और आर्थिक गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। मालनपुर में शुरू हुआ यह नया औद्योगिक अध्याय भिंड जिले के विकास को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है।

जौहर दिवस पर सीएम ने वीरांगनाओं के त्याग को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जौहर दिवस पर शौर्य, त्याग और अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति रानी पद्मिनी तथा उनके साथ प्राणोत्सर्ग करने वाली समस्त वीरांगनाओं को नमन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि नारी स्वाभिमान और आत्मगौरव की रक्षा के लिए वीरांगनाओं ने जो त्याग किया, वह सदैव अविस्मरणीय और वंदनीय रहेगा। उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं का साहस और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए किया गया त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। जौहर दिवस उन वीर नारियों के अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओणम की दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओणम के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ओणम केरल की जीवंत परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और अन्नदाताओं की समृद्धि का उत्सव है।

राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

पांच जिलों के नवचयनित स्वयंसेवकों ने लिया प्रशिक्षण, सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प

ग्वालियर जीएनएस

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत केंद्र, ग्वालियर द्वारा लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में आयोजित छह दिवसीय क्लस्टर स्तरीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026-27 का सोमवार को समापन हुआ। 20 से 25 अगस्त तक चले प्रशिक्षण में ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया और श्योपुर जिलों के नवचयनित राष्ट्रीय

युवा स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति : समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सरकार और समाज के बीच महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभव का उपयोग सामाजिक सेवा, जनजागरूकता और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक अनुशासन, सेवा भावना और सकारात्मक सोच के साथ समाज में सक्रिय भूमिका निभाएं।

युवाओं को माई भारत से जोड़ने पर जोर : कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरा युवा भारत केंद्र की जिला युवा अधिकारी अंजली कुमारी ने की।

लोकतंत्र सेनानी जगदीश यादव को मरणोपरांत गार्ड ऑफ ऑनर

ग्वालियर जीएनएस

राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने लोकतंत्र सेनानी स्वर्गीय जगदीश यादव को मरणोपरांत गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस दौरान अधिकारियों ने उनके लोकतंत्र के प्रति योगदान को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया कि स्वर्गीय जगदीश यादव का लोकतंत्र के प्रति समर्पण और योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके निधन पर प्रशासनिक अधिकारियों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के

लिए प्रार्थना की और परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सिंधी समाज की विशाल यात्रा में दिखी आस्था और सामाजिक एकजुटता

झूलेलाल ज्योति यात्रा का पवैया ने किया शुभारंभ

ग्वालियर जीएनएस

भगवान झूलेलाल महोत्सव के अवसर पर मंगलवार को माधवगंज स्थित श्री झूलेलाल मंदिर से सिंधी समाज की विशाल ज्योति यात्रा निकाली गई। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद ध्वज दिखाकर ज्योति यात्रा को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया। यात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल रहीं।

भक्तों के 40 दिन के व्रत के बाद प्रकट हुए झूलेलाल : यात्रा रवाना करने से पहले पवैया ने कहा कि करीब एक हजार वर्ष पहले सिंध की धरती पर अत्याचारी मिरख शाह के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए भक्तों ने 40 दिन तक व्रत किया था। उनकी भक्ति और तपस्या के प्रताप से वरुण देव भगवान झूलेलाल के रूप में प्रकट हुए और लोगों को अत्याचार से मुक्ति दिलाई।

उन्होंने कहा कि भारत विभाजन के बाद सिंधी समाज ने अपना सर्वस्व खोने के बावजूद जहां भी भारत में रहा, वहां भगवान झूलेलाल के उत्सव की परंपरा को बनाए रखा। सिंधी समाज मेहनती, परमार्थी और शांतिप्रिय समाज के रूप में अपनी अलग पहचान रखता है।

अखंड भारत का संकल्प लेने का आह्वान : पवैया ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को संकल्प लेना चाहिए कि विभाजन में खोया सिंध का तट, ननकाना साहिब और हिंगलाज शक्तिपीठ फिर भारत का हिस्सा बनेगा। उन्होंने कहा कि अखंड भारत का सपना अवश्य पूरा होगा। इस अवसर पर डॉ. रमेश दास पंजवानी, दिलीप ठाकुर, हासानंद आहूजा, राकेश खुराशिया, जीडीए उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, कंवर मंगलानी, अनिल सांखला, जितेंद्र मुद्गल, महेंद्र सोलंकी, प्रयाग तोमर, राजेंद्र दंडोतिया, विपुल गुप्ता, राजेश वाधवानी, राजेश बत्रा, सोनू मिश्रा सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

विभाग ने दी वस्तुस्थिति की जानकारी और खबर का किया खंडन

निर्धारित मानक और तकनीकी गुणवत्ता के अनुसार हो रहा है सिंध नदी पर निर्माणाधीन पुल एवं एप्रोच रोड का निर्माण

शिवपुरी, जीएनएस। जिले के दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ''23.84 करोड़ की लागत से सिंध नदी पर बन रहे 510 मीटर लम्बे पुल और एप्रोच रोड की गुणवत्ता पर सवाल'' शीर्षक से प्रकाशित खबर को लेकर म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई शिवपुरी के महाप्रबंधक द्वारा वास्तविक स्थिति से अवगत कराया गया है। म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई-शिवपुरी के महाप्रबंधक द्वारा कोलारस से रन्नौद मार्ग पर भड़ौता सिंध नदी पर स्वीकृत पुल निर्माण कार्य का स्वयं स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता का जायजा लिया गया।

उन्होंने बताया कि पुल पर एप्रोच सड़क का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। एप्रोच मार्ग के निर्माण में सर्वप्रथम मिट्टी का बेस तैयार किया गया है, जिसके उपरांत जी.एस.बी. एवं डी.एल.सी. का कार्य संपादित किया गया। डी.एल.सी. का कॉम्पैक्शन पूरा होने के बाद ही नियमानुसार सी.सी. रोड का निर्माण किया जा रहा है।

एप्रोच मार्ग के निर्माण कार्य की जांच 22 अगस्त 2026 को स्टेट क्वालिटी मॉनीटर द्वारा भी की गई है, जिन्होंने अपनी रिपोर्ट में कार्य को संतोषप्रद श्रेणी प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि पुल निर्माण कार्य की शुरुआत से लेकर अब तक 01 राष्ट्रीय गुणवत्ता निरीक्षक तथा 08 राज्य गुणवत्ता निरीक्षक द्वारा स्थल का निरीक्षण किया जा चुका है। एप्रोच रोड निर्माण के दौरान ही 02 राज्य गुणवत्ता निरीक्षकों द्वारा पृथक से जांच कर कार्य को मानक स्तर का पाया गया है।

सतत मॉनिटरिंग के तहत हो रहा है निर्माण

विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संबंधित पुल का निर्माण कार्य विभागीय एवं एस.क्यू.सी. के तकनीकी अमले की सीधी देखरेख में निर्धारित गुणवत्ता और मानक मापदंडों के अनुसार ही संचालित हो रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य एवं केंद्र स्तर से समय-समय पर नियुक्त निरीक्षकों द्वारा भी निरंतर परीक्षण किया जाता है और विभाग द्वारा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

कलेक्टर श्री वर्मा के निरीक्षण में स्वास्थ्य सेवाओं में मिली लापरवाही पर हुई कार्यवाही

सीएचओ और एएनएम को कारण बताओ नोटिस

शिवपुरी, जीएनएस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा गतदिवस एचडब्ल्यूसी उप स्वास्थ्य केन्द्र, भौराना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति अपेक्षानुसार न पाए जाने तथा पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशों के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं एएनएम को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शासन द्वारा संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं अभियानों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है। विशेष रूप से दस्तक अभियान के अंतर्गत डीएसएस टूल में मात्र 355 बच्चों की रिपोर्टिंग दर्ज पाई गई, वहीं पेंटावेलेंट-1 टीकाकरण की उपलब्धि केवल 40 प्रतिशत ही पाई गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं में इस लापरवाही पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सी एच ओ ओर ए एन एम पर कार्यवाही के निर्देश दिए।

तीन दिवस में मांगा लिखित जवाब

निरीक्षण में पाई गई गंभीर लापरवाही के आधार पर उप स्वास्थ्य केन्द्र भौराना में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी श्री मनोज शिवहरे तथा एएनएम श्रीमती वंदना राय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। संबंधितों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपना लिखित स्पष्टीकरण 03 दिवस के भीतर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी की स्पष्ट टीप के साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि में स्पष्टीकरण प्रस्तुत न करने अथवा प्रस्तुत जवाब संतोषप्रद न पाए जाने की स्थिति में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जिले में एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान जारी

श्योपुर, जीएनएस। श्योपुर जिले में आगामी रबी सीजन 2026-27 की तैयारियों को गति देने के लिए 20 अगस्त से 15 सितंबर तक ÷एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान÷ जारी है। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित होने जा रहे इस अभियान के तहत किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने, भूमि संबंधी त्रुटियों के सुधार, पैक्स सदस्यता, किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने और समय पर उर्वरक वितरण सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे है।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कृषि, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, सहकारिता विभाग तथा कृषि आदान विभागों के स्थानीय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों के दल गठित किये गये है तथा 5 से 6 पंचायतों को शामिल कर बनाये गये मुख्यालय पंचायतों पर शिविर लगाने के निर्देश दिये गये है, अभियान के तहत श्योपुर विकासखण्ड में 24 स्थानों पर, कराहल विकसखण्ड में 17 स्थानों पर तथा विजयपुर विकासखण्ड में 21 स्थानों पर निर्धारित तिथियों में शिविर आयोजित किये जायेंगे। अभियान की मॉनीटरिंग के लिए समन्वय अधिकारी के रूप में संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को समन्वय अधिकारी बनाया गया है तथा जनपद पंचायतों के सीईओ को नोडल अधिकारी और संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अभियान के तहत 25 अगस्त को श्योपुर विकासखण्ड के ग्राम कनापुर एवं कलमुण्डा में, कराहल विकासखण्ड के ग्राम डोब में तथा विजयपुर विकासखण्ड के ग्राम सिमरई एवं गोपालपुरा में आयोजित होंगे। इन शिविरों में कृषि विस्तार अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, पंचायत सचिव, पीसीओ एवं जीआरएस, सहकारिता विस्तार अधिकारी एवं प्रबंधक सेवा सहकारी समिति तथा उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन विभागों के संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री जीके पचौरिया ने बताया कि अभियान के दौरान उन किसानों की पहचान की जाएगी, जिनकी फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है अथवा जिनके भूमि खाते या सर्वे नंबर फार्मर आईडी से नहीं जुड़े हैं।

स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

ग्वालियर, जीएनएस। व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्ट्डीज़ के चेयरमैन डॉ. सुनील कुमार सिंह राठौर जी की पूजनीय माताजी स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी जी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर आज व्हीआईएसएम कैंपस में स्थित गुरुबख्श सिंह सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी अधिकारीगण व कर्मचारीगणों ने स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संस्था की ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह ने कहा कि ÷माता-पिता का स्नेह, आशीर्वाद और उनके दिए हुए संस्कार जीवन की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी जी का व्यक्तित्व सादगी, ममता और संस्कारों से परिपूर्ण था। उन्होंने अपने परिवार को जो संस्कार और जीवन मूल्य प्रदान किए, वे सदैव परिवार के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

सर्पदंश से बचाव और उपचार के लिए एडवाइजरी जारी

श्योपुर, जीएनएस। बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिलीप सिकरवार ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि साँप काटने की घटना को गंभीरता से लें और प्रभावित व्यक्ति को बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। झाड़-फूंक या अंधविश्वास पर निर्भर रहने से मरीज की जान को खतरा हो सकता है।

सीएमएचओ ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को शांत रखें, उसे अनावश्यक चलने-फिरने न दें तथा काटे गए स्थान को साफ कर हल्के कपड़े से बांध दें। मरीज को करवट लिटाकर जल्द से जल्द स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रस्सी से कसकर बांधना, ब्लेड से काटना, मुंह से जहर चूसना या ओझा-गुनिया के पास ले जाना जैसी पारंपरिक एवं अंधविश्वासपूर्ण गतिविधियाँ नहीं करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में सर्पदंश के उपचार हेतु एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन निःशुल्क उपलब्ध है।

लोगों से अपील की गई है कि अंधेरे में निकलते समय टॉर्च का उपयोग करें, बिलों एवं झाड़ियों में हाथ न डालें, पानी भरे गड्ढों से सावधानी बरतें तथा खेतों एवं खुले स्थानों पर जाते समय चप्पल या जूते अवश्य पहनें।

रक्षाबंधन पर सर्किल जेल शिवपुरी में 28 अगस्त को होगी बंदियों से खुली मुलाकात

उपजेल अधीक्षक ने जारी किए आवश्यक दिशा-निर्देश, पहचान पत्र लाना होगा अनिवार्य

शिवपुरी, जीएनएस। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर सर्किल जेल शिवपुरी में निरुद्ध बंदियों की 28 अगस्त को होने वाली खुली मुलाकात के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु उपजेल अधीक्षक द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार पुरुष बंदियों से मुलाकात एवं राखी बांधने के लिए उनके परिवार की केवल महिला सदस्यों तथा 06 वर्ष से कम आयु के बच्चों को ही जेल गेट के अंदर प्रवेश दिया जाएगा। मुलाकात का समय प्रातः 09 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

पहचान पत्र अनिवार्य, 10 मिनट मिलेगी मुलाकात की अनुमति

बंदी से मुलाकात की अधिकतम समय-सीमा 10 मिनट तय की गई है, समय पूर्ण होने पर परिजनों को जेल से स्वतः प्रस्थान करना होगा। बंदियों के परिजनों को पहचान हेतु शासकीय पहचान पत्र (जैसे आधारकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, पैन कार्ड आदि में से कोई एक) अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। कैदी से मुलाकात हेतु आने वाले परिजन (बहन) को परामर्श दिया गया है कि वे एक ही बार में समूह में एकत्रित होकर मुलाकात करें, क्योंकि बार-बार एक ही बंदी को मुलाकात स्थल पर नहीं बुलाया जाएगा। केवल एक बार में ही मुलाकात करें।

सामग्री और खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध व नियम

परिजनों को पर्स, मोबाइल, नकदी आदि कीमती सामान बाहर रखकर ही जेल गेट पर प्रवेश करना होगा, उक्त सामग्री जेल के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी एवं किसी भी सामग्री के खो जाने या गुम हो जाने पर जेल प्रशासन की कोई जबाबदारी नही रहेगी। जेल प्रशासन द्वारा पूजा की थाल उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें हल्दी, कुमकुम, चावल आदि सामग्री रहेगी, जबकि साधारण राखी परिजन स्वयं ला सकेंगे। मुलाकात के दौरान केवल मिठाई, गजक, सोनपपडी मिठाई 250 ग्राम अंदर ले जाना अनुमत किया गया है। बने हुये भोजन अंदर ले जाने की अनुमति नही होगी। सर्किल जेल शिवपुरी पर महिला बंदियों द्वारा निर्मित राखियों बंदियों की माता बहनें जेल कैन्टीन से क्रय कर सकती है।

सुरक्षा नियम और सहयोग की अपील

उपजेल अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि बंदियों को नकद रूपए देना सख्त मना है। इस प्रकार का कृत्य करने पर मुलाकात प्रतिबंधित कर दी जायेगी साथ ही बंदी के विरूद्ध जेल अपराध दर्ज किया जाएगा। कृपया तलाशी में पूर्ण सहयोग दें, जेल प्रशासन आपके सहयोग के लिये है, किसी भी प्रकार का विवाद न करें अन्यथा कानूनी अथवा वैद्यानिक कार्यवाही की जाएगी। रक्षाबंधन पर्व की सुचारू व्यवस्था हेतु समय-समय पर दिये गये निर्देशों का पालन करें एवं त्योहार के उत्साह को आनंदित बनाये रखने हेतु जेल अधिकारी अथवा कर्मचारियों का सहयोग करें।

श्रमदान कर आदित्यपुरम में 60 फीट गहरी ऐतिहासिक बावड़ी को दिया नया जीवन

ग्वालियर, जीएनएस। स्थानीय युवाओं ने बिना किसी स्वार्थ के आदित्यपुरम क्षेत्र की प्राचीन धरोहर को सहेजने की मिसाल पेश की है। रविवार को चलाए गए विशेष सफाई अभियान के दौरान युवाओं ने आदित्यपुरम में स्थित रियासतकालीन (स्टेटकाल) बावड़ी का कायाकल्प कर दिया। वर्षों से कचरे से पटी इस बहुमंजिला बावड़ी की सफाई के बाद अब इसका निर्मल पानी साफ नजर आने लगा है।

पत्थरों से निर्मित लगभग 60 फीट गहरी यह आकर्षक बावड़ी स्थापत्य कला की एक सुंदर रचना है, जिसमें नीचे उतरने के लिए सीढ़ियां और कई मंजिलें बनी हुई हैं। देखरेख के अभाव और लोगों द्वारा कचरा व पूजा सामग्री फेंकने से यह खूबसूरत बावड़ी कचरे के ढेर में तब्दील हो गई थी। बावड़ी की इस दुर्दशा पर वृक्षालय संस्था के संस्थापक प्रशांत पटेरिया ने नगर निगम की आईईसी टीम म्यूज, डिवाइन एवं दीक्षा फाउण्डेषन सहित अन्य युवाओं की मदद से इसकी सफाई का कार्य प्रारंभ किया; घंटों चली कड़ी मेहनत के बाद बावड़ी से लगभग 2 से 3 ट्रॉली कचरा बाहर निकाला गया।

पर्यावरण और हरियाली में काम आएगा पानी

सफाई पूरी होने के बाद बावड़ी की तलहटी में जमा गंदगी हट चुकी है और इसमें काफी मात्रा में शुद्ध जल उपलब्ध है। संस्थाओं का योजना है कि इस पानी का उपयोग आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाने और हरियाली बढ़ाने में किया जाएगा। गौरतलब है कि शहर में आदित्यपुरम के अलावा 13वीं बटालियन, शारदा विहार और सेनापति हनुमान मंदिर परिसर में भी प्राचीन बावड़ियां मौजूद हैं, जिन्हें सहेजने का कार्य नगर निगम ने किया है।

इंटर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया में 65 छात्रों ने लिया हिस्सा

जालौन, जीएनएस। एमएसबी इंटर कॉलेज कालपी में चाक चौबंद इंतजाम के बीच एनसीसी कैडेट्स के दो वर्षीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए चयन एवं भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई भर्ती प्रक्रिया 58 बटालियन उरई से आए सैन्य अधिकारियों की टीम ने कर्नल एस.के. सिंह के निर्देशन में संपन्न कराई।

सोमवार को विधालय परिसर में आयोजित भर्ती प्रक्रिया में 58 बटालियन उरई के सूबेदार राजेश कुमार, हवलदार चाम बहादुर खत्री एवं हरिवंश रावत ने अभ्यर्थियों का चयन किया विद्यालय में कुल 68 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें 65 अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए। इनमें 35 बालक और 30 बालिकाएं रहीं चयन प्रक्रिया के दौरान सर्वप्रथम मेडिकल टीम द्वारा सभी अभ्यर्थियों का शारीरिक एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके बाद लिखित परीक्षा आयोजित की गई। सैन्य अधिकारियों की टीम ने विभिन्न मानकों के आधार पर अभ्यर्थियों का परीक्षण कर चयन प्रक्रिया पूरी की विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार शाक्य ने भर्ती प्रक्रिया में शामिल सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। एनसीसी इंचार्ज कैप्टन राजमणि सिंह ने कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इस अवसर पर राहुल कुमार अमर सिंह आनंद शर्मा अशोक तिवारी आशुतोष नगाइच अनिरुद्ध कांत द्विवेदी अरविंद द्विवेदी आदि।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर वाराणसी में आयोजित होगा 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के साथ युवाओं से होगा खेल,फिटनेस और विकसित भारत पर संवाद

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा ÷खेलो इंडिया संवाद -खेल की बात,प्रधानमंत्री के साथ÷ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है 7 कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल,फिटनेस,प्रतिभा विकास एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना तथा खेल क्षेत्र में देश की प्रगति एवं भविष्य की संभावनाओं पर युवाओं के साथ संवाद स्थापित करना है 7 वाराणसी जनपद में यह कार्यक्रम 27 अगस्त 2026 को दो स्थानों पर आयोजित किया जाएगा 7 महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (एमजीकेवीपी),वाराणसी तथा धीरेंद्र महिला पीजी कॉलेज वाराणसी में कार्यक्रम आयोजित होंगे 7 दोनों स्थलों पर युवाओं एवं विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी तथा माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का लाइव प्रसारण किया जाएगा 7 प्रधानमंत्री जी के संबोधन के उपरांत स्थानीय स्तर पर ÷युवा संवाद÷ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा 7 इसमें जनपद के सांसद,विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि,स्थानीय खेल प्रतिभाएं तथा युवा प्रतिभागी शामिल होंगे 7जनप्रतिनिधियों द्वारा युवाओं को संबोधित करने के साथ-साथ खेल एवं युवा विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए जाएंगे 7 कार्यक्रम में स्थानीय खेल प्रतिभाओं के साथ संवाद भी किया जाएगा 7

÷खेलो इंडिया संवाद÷ का महत्वपूर्ण पक्ष युवा संवाद है जिसके माध्यम से युवाओं को देश के खेल इकोसिस्टम,खेल प्रतिभाओं के विकास,युवा नेतृत्व तथा विकसित भारत के निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा 7 युवाओं द्वारा दिए गए सुझावों को निर्धारित माध्यम से संकलित कर आगे प्रेषित किया जाएगा 7

युवा संवाद के प्रमुख विषयों में देश के खेल इकोसिस्टम को बेहतर बनाना, 2036 ओलंपिक के लिए खेल प्रतिभाओं को तैयार करना,युवा नेतृत्व एवं शासन में युवाओं की भागीदारी तथा विकसित भारत के लिए युवाओं का सशक्तिकरण शामिल हैं 7

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को माय भारत पोर्टल से जुड़ने एवं पंजीकरण के लिए भी प्रेरित किया जाएगा 7 साथ ही युवाओं से डिजिटल माध्यम से सुझाव प्राप्त करने के लिए माय भारत सुगेस्टियन्स बॉक्स का क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा तथा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग (वीबीवॉइएलडी) 2027 क्विज के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी।

प्लास्टिक बर्तन से भरी मैजिक पालिका आर आई ने पकड़ कर कोतवाली पुलिस के हवाले की सुपुर्द दुकानदार व्यापारियों में मचा हड़कंप

कालपी। नगर का व्यापारी रविवार की रात गोदाम में भरे हुए प्लास्टिक पतल एवं प्लेट आदि बर्तनों को मैजिक में लोड कर बाहर जाने की तैयारी कर रहा था उसी समय पालिका प्रशासन को जैसे ही सूचना मिली तत्काल आर आई अजीत सिंह कर्मचारियों के साथ गोदाम के समीप पहुंच कर लोड सुधा मैजिक को नहीं जाने दिया मौजूद दुकानदार से उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के बर्तन आदि समान लादकर कहीं जाना चाहते हो यह सब माल आपका प्रतिबंधित है इस माल को हम कहीं नहीं जाने देंगे वहीं सूचना देकर पुलिस टीम को बुलवाकर भरी मैजिक को सौंप दिया मौजूद पुलिस टीम मैजिक गाड़ी को कोतवाली में लाकर मौजूद दीवान की अभिरक्षा में कोतवाली परिसर में खड़ी करायी दीवान ने अवगत कराया कि पालिका की तरफ से जुर्माना लगाया जाएगा यदि दुकानदार जुर्माना जमा कर पालिका से रिलीज आदेश आने के बाद मैजिक गाड़ी मालिक को सौपी जाएगी।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय को दी गई भावभीनी विदाई

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय का सिंगरौली जिला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर स्थानांतरण होने पर गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों

की सराहना की। समारोह में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने उनके कार्यकाल को सफल कार्यकाल बताते हुए कहा कि श्री संघ प्रिय ने नगर निगम आयुक्त रहते बहुत कम समय में काफी सराहनीय कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनके सरल और व्यवहारिक स्वभाव को सभी अधिकारी, कर्मचारी और शहरवासी लंबे समय तक याद रखेंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने मिलनसार छवि के लिए शहर और अधिकारियों में अपनी अलग छाप छोडी है। समारोह में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा, जिला पंचायत सीईओ श्री सौजान सिंह रावत,जिला पंचायत सीधी की सीईओ श्रीमती सौम्या आनंद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जग्गा, अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनीश सिकरवार, एसडीएम अतुल सिंह तथा श्री नरेश बाबू सहित प्रशासनिक अमले के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

भूत को छोड़ो, वर्तमान और भविष्य की चिंता करो

मनुष्य का जीवन तीन कालखंडों से जुड़ा है– भूत, वर्तमान और भविष्य। भूत में हमारा बीता हुआ जीवन है, वर्तमान हमारे सामने मौजूद क्षण है और भविष्य वह है, जिसके बारे में हम केवल अनुमान लगा सकते हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब हम वर्तमान में जीने के बजाय लगातार बीते हुए समय को याद करते और आने वाले समय की चिंता करते रहते हैं।

बीती हुई घटनाओं को बदला नहीं जा सकता। जीवन में जो अच्छा या बुरा घटित हो चुका है, वह अनुभव बनकर हमारे साथ रह सकता है, लेकिन उसे लेकर लगातार परेशान होते रहना वर्तमान को भी खराब कर देता है। अतीत से सीखना जरूरी है, लेकिन अतीत में जीना समझदारी नहीं है। गलती हुई है तो उसका विश्लेषण कर उससे सबक लिया जाए और आगे बढ़ा जाए।

इसी तरह भविष्य को लेकर अत्यधिक चिंता भी मनुष्य की ऊर्जा को कमजोर करती है। भविष्य अभी आया नहीं है। उसके बारे में योजना बनाई जा सकती है, तैयारी की जा सकती है, लेकिन उसकी हर परिस्थिति को पहले से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसलिए भविष्य की चिंता में वर्तमान को खो देना सबसे बड़ी भूल है।

आज का समय ही हमारे पास वास्तविक रूप से उपलब्ध है। यही वह समय है, जिसमें हम निर्णय ले सकते हैं, मेहनत कर सकते हैं, रिश्तों को बेहतर बना सकते हैं और अपने जीवन की दिशा बदल सकते हैं। यदि हमारा पूरा ध्यान बीती असफलताओं या आने वाली आशंकाओं पर रहेगा तो वर्तमान के अवसर हमारे हाथ से निकल जाएंगे।

वर्तमान में जीने का अर्थ यह नहीं कि भविष्य की योजना छोड़ दी जाए। इसका अर्थ है कि योजना भविष्य के लिए हो, लेकिन कर्म आज किया जाए। विद्यार्थी भविष्य की सफलता के लिए आज पढ़ाई करता है। किसान आने वाली फसल के लिए आज खेत तैयार करता है। व्यापारी भविष्य के विस्तार के लिए आज निर्णय लेता है। इसलिए भविष्य की चिंता नहीं, भविष्य की तैयारी जरूरी है।

अतीत भी बेकार नहीं है। वह अनुभवों की किताब है। हमारी गलतियां हमें सावधान करती हैं और सफलताएं आगे बढ़ने का आत्मविश्वास देती हैं। लेकिन अनुभव तभी उपयोगी है, जब वह वर्तमान के निर्णयों को बेहतर बनाए। यदि वही पुरानी घटनाएं मन में बार-बार घूमती रहें और तनाव का कारण बनें तो उनका कोई लाभ नहीं।

आज समाज में तनाव, असंतोष और बेचैनी का एक बड़ा कारण यही है कि लोग या तो अतीत के बोझ में दबे हैं या भविष्य की आशंकाओं से घिरे हैं। हमें अपने मन को यह समझाना होगा कि बीता हुआ समय वापस नहीं आएगा और आने वाला समय अभी हमारे हाथ में नहीं है। हमारे पास केवल वर्तमान है।

इसलिए जीवन का सरल सूत्र यही होना चाहिए–भूत से सीखो, भविष्य की तैयारी करो और वर्तमान में कर्म करो। जो बीत गया उसे स्वीकार करना, जो सामने है उसे पूरी सजगता से जीना और जो आने वाला है उसके लिए सकारात्मक तैयारी करना ही संतुलित जीवन का रास्ता है।

समय किसी के लिए रुकता नहीं। हर क्षण बीतते ही अतीत बन जाता है। इसलिए वर्तमान को व्यर्थ की चिंता में गंवाने के बजाय उसे सार्थक बनाना चाहिए। जीवन में शांति भी इसी से आएगी और सफलता का रास्ता भी इसी से खुलेगा।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कुछ सर्दी-जुकाम की दवाओं पर सरकार की सख्ती

बच्चों की दवा में सावधानी ही सबसे बड़ा इलाज

किसी भी सरकार के लिए सुशासन का अर्थ केवल विकास योजनाएं बनाना या प्रशासनिक फैसले लेना नहीं है। असली सुशासन तब दिखाई देता है, जब सरकार उन क्षेत्रों में भी समय पर और कठोर निर्णय ले, जहां छोटी-सी चूक किसी नागरिक के जीवन पर भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य और दवाओं की सुरक्षा ऐसा ही संवेदनशील क्षेत्र है। खासकर छोटे बच्चों के मामले में सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। इसी दृष्टि से चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाले कुछ फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन को लेकर केंद्र सरकार का नियामक कदम महत्वपूर्ण है।

इस निर्णय का उद्देश्य सामान्य सर्दी-जुकाम को लेकर अभिभावकों में भय पैदा करना नहीं, बल्कि बच्चों को बिना चिकित्सकीय सलाह दवा दिए जाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना है। छोटे बच्चों का शरीर वयस्कों की तरह दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करता। उम्र, वजन, शारीरिक विकास और अन्य दवाओं के साथ संभावित प्रभावों को ध्यान में रखना जरूरी है। इसलिए किसी बड़े व्यक्ति को दी जाने वाली दवा को बच्चे के लिए सुरक्षित मान लेना गंभीर भूल हो सकती है।

पैकेट पर चेतावनी भी सुरक्षा का हिस्सा

दवा की सुरक्षा केवल डॉक्टर के कमरे तक सीमित नहीं होती। दवा की बोतल, पैकेट और उसके साथ मिलने वाली सूचना भी मरीज की सुरक्षा की पहली पंक्ति है। सरकार के निर्देश के तहत संबंधित दवाओं की पैकेजिंग, दवा के साथ उपलब्ध सूचना और प्रचार सामग्री पर स्पष्ट आयु-संबंधी चेतावनी देना जरूरी किया गया है कि चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसी दवा नहीं दी जानी चाहिए।

यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि आम तौर पर सर्दी-जुकाम को मामूली बीमारी समझ लिया जाता है। कई परिवारों में पहले से घर में रखी दवा बच्चों को दे दी जाती है या किसी परिचित के अनुभव के आधार पर दवा का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में पैकेट पर स्पष्ट चेतावनी अभिभावकों को सावधान करने का प्रभावी माध्यम बन सकती है।

'दूसरे बच्चे को फायदा हुआ' तो आपके बच्चे को भी होगा, जरूरी नहीं

आज इंटरनेट और सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध है। लेकिन हर जानकारी चिकित्सकीय सलाह का विकल्प नहीं हो सकती। एक बच्चे की उम्र, वजन, बीमारी का कारण और दूसरी दवाओं का इस्तेमाल दूसरे बच्चे से अलग हो सकता है। इसलिए किसी दूसरे बच्चे को दी गई दवा को अपने बच्चे के लिए भी सुरक्षित मान लेना उचित नहीं है।

यहीं अभिभावकों की जिम्मेदारी शुरू होती है। बच्चे को सर्दी-जुकाम होने पर स्वयं दवा देने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लेना और दवा के पैकेट पर लिखी आयु संबंधी चेतावनी पढ़ना जरूरी है।

दवा नियमन को लेकर व्यापक सख्ती

केंद्र सरकार के मौजूदा कदम को दवा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से किए जा रहे नियामकीय प्रयासों की कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है। उपलब्ध सामग्री के अनुसार जून 2026 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 16 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया था। कफ सिरप सहित कुछ दवाओं को लेकर भी नियामकीय सख्ती की चर्चा सामने आई है।

इससे स्पष्ट है कि दवा नीति का उद्देश्य केवल बाजार में अधिक से अधिक दवाएं उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए। दवा कितनी सुरक्षित है, किस आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है, उसका उपयोग किस परिस्थिति में किया जाना चाहिए और उसके दुष्प्रभावों की निगरानी कैसे होगी–इन सभी सवालों को समान महत्व देना होगा।

सिर्फ आदेश से नहीं, निगरानी से सुरक्षित होगा बाजार

सरकार का आदेश महत्वपूर्ण है, लेकिन उसका प्रभाव तभी दिखाई देगा जब जमीन पर उसका पालन भी सुनिश्चित हो। दवा कंपनियों को पैकेजिंग और प्रचार सामग्री में चेतावनी का पालन करना होगा। दवा विक्रेताओं को भी आयु संबंधी प्रतिबंधों और चिकित्सकीय सलाह की आवश्यकता को गंभीरता से लेना होगा।

इसके साथ औषधि निरीक्षण व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है। बाजार में उपलब्ध दवाओं के नमूने लेकर नियमित जांच, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई और संदिग्ध दवाओं को समय पर बाजार से हटाने की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए।

दवा सुरक्षा सभी की साझा जिम्मेदारी

दवा सुरक्षा को केवल स्वास्थ्य मंत्रालय या सरकार की जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं है। इसमें नियामक संस्थाओं, डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, दवा कंपनियों, अस्पतालों और आम नागरिकों की समान भूमिका है। चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए संबंधित दवा संयोजनों को लेकर केंद्र सरकार का कदम इसी साझा जिम्मेदारी को मजबूत करने वाला नियामक संदेश है।

आखिरकार किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि बाजार में कितनी दवाएं उपलब्ध हैं, बल्कि इससे कि दवाएं कितनी सुरक्षित, वैज्ञानिक और जरूरत के अनुरूप उपलब्ध हैं। बच्चों के मामले में यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

सरकार का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसने संभावित जोखिम को लेकर पहले ही सावधानी बरतने का रास्ता चुना है। अब जरूरत है कि इस चेतावनी को डॉक्टर से लेकर दवा दुकानदार और अभिभावक तक गंभीरता से समझें। बच्चों की दवा के मामले में थोड़ी-सी सावधानी कई बड़े खतरे को टाल सकती है।

मोबाइल कीमतों और सस्ती हो गई जान

आज मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का जरूरी हिस्सा बन चुका है। बातचीत, पढ़ाई, कारोबार, बैंकिंग, मनोरंजन और सूचनाओं तक पहुंच–सब कुछ मोबाइल के जरिए होने लगा है। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन मोबाइल की बढ़ती निर्भरता ने एक नई चिंता भी पैदा कर दी है। खासकर बच्चों और युवाओं में मोबाइल का अत्यधिक इस्तेमाल अब केवल आदत नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक समस्या का रूप लेता जा रहा है।

मोबाइल की कीमत बाजार में भले ही कम होती जा रही हो, लेकिन इसकी लत की कीमत कई परिवारों को भारी पड़ रही है। कुछ साल पहले तक स्मार्टफोन सुविधा और जरूरत की वस्तु था, लेकिन अब यह जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। घर में मौजूद हर सदस्य अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देता है। बच्चों के हाथ में मोबाइल है तो माता-पिता भी लगातार फोन पर नजरें गड़ाए रहते हैं।

सबसे गंभीर स्थिति बच्चों और

किशोरों की है। ऑनलाइन खेल, वीडियो, सामाजिक माध्यम और लगातार मिलने वाले संदेश उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन से बांधे रखते हैं। कई बच्चे मोबाइल के बिना बेचैन होने लगते हैं। पढ़ाई में ध्यान कम होना, नींद का प्रभावित होना, परिवार से बातचीत में कमी और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही हैं।

मोबाइल का अत्यधिक उपयोग केवल समय की बर्बादी नहीं है। इसका असर व्यक्ति के व्यवहार और सोच पर भी पड़ता है। आभासी दुनिया में लगातार सक्रिय रहने वाला व्यक्ति वास्तविक रिश्तों और सामाजिक संपर्क से दूर हो सकता है। परिवार के सदस्य एक ही कमरे में मौजूद होते हुए भी एक-दूसरे से बातचीत करने के बजाय मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। इससे रिश्तों में संवाद की कमी पैदा होती है।

तकनीक को दोष देना समाधान नहीं है। मोबाइल अपने आप में न अच्छा है और न बुरा। उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य और कितने समय के लिए किया जा रहा है, यही महत्वपूर्ण है। पढ़ाई, जानकारी, बैंकिंग, कामकाज और जरूरी संवाद के लिए मोबाइल उपयोगी है, लेकिन मनोरंजन और सामाजिक माध्यमों पर घंटों बिताना नुकसानदायक हो सकता है।

बच्चों के मामले में अभिभावकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। केवल यह कहना कि मोबाइल मत चलाओ, पर्याप्त नहीं है। माता-पिता को स्वयं भी मोबाइल उपयोग की आदतों पर नियंत्रण रखना होगा। बच्चों के साथ बातचीत, खेलकूद, पुस्तक पढ़ने और रचनात्मक गतिविधियों के लिए समय देना जरूरी है। घर में कुछ समय ऐसा तय किया जा सकता है, जब कोई सदस्य मोबाइल का इस्तेमाल न करे।

स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को भी इस दिशा में जागरूकता बढ़ानी चाहिए। बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट के सुरक्षित तथा संतुलित उपयोग की जानकारी दी जानी चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि तकनीक जीवन को आसान बनाने का माध्यम है, जीवन का विकल्प नहीं।

हमें यह तय करना होगा कि मोबाइल हमारे जीवन को नियंत्रित करेगा या हम मोबाइल को नियंत्रित करेंगे। सस्ता मोबाइल खरीद लेना आसान है, लेकिन उससे पैदा हुई निर्भरता से बाहर निकलना कठिन हो सकता है। इसलिए जरूरत मोबाइल छोड़ने की नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण इस्तेमाल की है।

तकनीक का लाभ तभी है, जब वह मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाए। यदि मोबाइल परिवार, पढ़ाई, स्वास्थ्य और सामाजिक रिश्तों की कीमत पर इस्तेमाल होने लगे तो हमें अपनी आदतों पर गंभीरता से विचार करना होगा। मोबाइल की कीमत कम हो सकती है, लेकिन जीवन और रिश्तों की कीमत कभी कम नहीं होनी चाहिए।

योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें

गुना, जीएनएस।

अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन एवं सीईओ जिला पंचायत गुना श्री अभिषेक दुबे की अध्यक्षता में आज साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में लंबित पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान शिविर की तैयारियों की समीक्षा

बैठक के प्रारंभ में आगामी दिनांक 27 अगस्त को तहसील मकसूदनगढ़ में प्रस्तावित मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत श्री दुबे ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं एवं जनहितकारी गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक नागरिक योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठा सकें। उन्होंने स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित ऐसे विभाग, जिनके द्वारा योजनाओं अथवा जांच से संबंधित शिविर एवं गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, उनके कार्यक्रमों एवं शेड्यूल का एक दिन पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएं पठन सामग्री

सीईओ जिला पंचायत ने विभिन्न विद्यालयों एवं आईटीआई में उपलब्ध पुस्तकों तथा अन्य पठन सामग्री का विद्यार्थियों के हित में समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध सामग्री को विद्यार्थियों में वितरित कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में उपयोग किया जाए।

पीएम जनमन के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें

उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत अप्रारंभ आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से प्रारंभ कर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की समीक्षा

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की समीक्षा करते हुए श्री दुबे ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण कर संबंधित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टि दर्ज कराने के निर्देश दिए। सभी सीईओ जनपद एवं सीएमओ को मंगलवार को पौधरोपण तथा पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित करने के साथ ही एप पर दर्ज प्रविष्टियों का स्क्रीनशॉट के माध्यम से सत्यापन करने के निर्देश दिए गए।

नल-जल योजनाओं एवं विद्युत कनेक्शन की समीक्षा

बैठक में बंद पड़ी नल-जल योजनाओं तथा विद्युत विभाग से संबंधित कनेक्शन विच्छेदन के मामलों की भी समीक्षा की गई। सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित कार्यों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित नीति आयोग से संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि नीति आयोग के निर्धारित कॉम्पोनेंट्स एवं मानकों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा संबंधित योजनाओं की प्रगति पर विशेष ध्यान दें।

अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन ने सभी विभाग प्रमुखों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान निर्धारित एसओपी का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। उन्होंने फूड सेफ्टी विभाग को खराब पाए गए सैंपलों की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही फूड सेफ्टी वैन की सेवाओं के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा, ताकि आमजन इसका लाभ उठा सकें।

आपसी तालमेल और सौहार्द से मनाएं आगामी त्योहार

दबोह, जीएनएस।

आगामी त्योहारों को शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से आज नगर शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए दबोह थाना प्रभारी रवि उपाध्याय ने कहा कि त्यौहार हमारी संस्कृति और एकता की पहचान हैं, इसलिए सभी नागरिक आपसी तालमेल और सौहार्द के साथ इन्हें मनाएं।

उन्होंने त्यौहार के दौरान शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। वही उन्होंने नगर परिषद समिति की ओर से प्रमुख पूजा पंडालों, जुलूस मार्गो और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई कराने पर नगर परिषद कर्मचारियों को कुछ आवश्यक सुझाव दिये। रवि उपाध्याय ने अपील कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें। कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए शांति समिति द्वारा युवा स्वयं सेवकों की टोलियां तैनात की जाएंगी।

जिला दण्डाधिकारी ने किया अमर सिंह का शस्त्र लायसेंस निलंबित

भिण्ड। जिला दण्डाधिकारी भिण्ड ने आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 (3) बी में निहित प्रावधानों का प्रयोग करते हुए आर्म्स लायसेंसी अमर सिंह पुत्र साहब सिंह गुर्जर निवासी कैथोदा थाना मेहगांव जिला भिण्ड 315 बोर रायफल शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन काल में आर्म्स एवं एम्यूनेशन सहित शस्त्र लायसेंस को थाने में जमा करने के निर्देश दिए है। आर्म्स लायसेंसी अमर सिंह के विरुद्ध थाना मेहगांव के अपराध क्रमांक 99/26 धारा 126(2), 296(बी), 109(1), 103(1), 3(5) बीएनएस बीएनएस इजाफा धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध होने के फलस्वरूप शस्त्र लाइसेंस की शर्तो का उल्लंघन होने पर पुलिस अधीक्षक भिण्ड से प्राप्त प्रतिवेदन पर ये कार्यवाही की गई है।

रक्षाबंधन पर नन्हीं बहनों ने पुलिस अधिकारियों को बांधी राखी

ग्वालियर, जीएनएस।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आज पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में लिटिल मिलेनियम प्री-स्कूल ग?वालियर के नन्हे बच्चों ने ग्वालियर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का संदेश दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) सहित उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने बच्चों से आत्मीयता से संवाद किया और उन्हें मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। नन्हे बच्चों द्वारा पुलिस अधिकारियों को राखी बांधने का यह भावपूर्ण अवसर पूरे सभागार में खुशी और अपनत्व से भर गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व ही नहीं, बल्कि आपसी सुरक्षा, विश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का भी पर्व है। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डीएसपी मुख्यालय श्री रोबिन जैन, सीएसपी ग?वालियर श्री केपी सिंह, एसडीओपी घाटीगांव श्री शैलेन्द्र शर्मा, एसडीओपी बेहट श्री मनीष यादव, डीएसपी महिला सुरक्षा श्रीमती शिखा सोनी, रक्षित निरीक्षक ग्वालियर श्री रणजीत सिंह सिकरवार सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जगजीवन राम नगर में अध्यात्म ग्राम ने किए निःशुल्क रुद्राक्ष वितरित

इंदौर। श्रावण माह में जगजीवन राम नगर स्थित शिव मंदिर पर अध्यात्म ग्राम के तत्त्वावधान में रत्न हाउस के सहयोग से शिव भक्तों को निःशुल्क रुद्राक्ष वितरित किए गए। इसके बाद स्थानीय पार्षद निशा रुपेश देवलिया द्वारा कावड़ यात्रा निकाली गई। रुद्राक्ष वितरण में खबर हलचल, मातृभाषा डॉट कॉम व साहित्य ग्राम भी सहभागी रहे। कार्यक्रम में मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल', वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह रघुवंशी, रुपेश देवलिया, पार्षद निशा देवलिया, वीरेन्द्र कुमार बिठरिया आदि मौजूद रहे।

विधायक की कार, भत्ता और सत्ता

हर विधायक को कार मिले, साथ में मिलता भत्ता,
जनता पूछे-卐हमको कब?卐 नेता बोले-卐बस सत्ता!卐
पचहत्तर हजार 卐कार卐 के, पच्चीस हजार सहायक,
गाँव-गाँव अब घूमिए साहब, बन जनसेवा-नायक।
कहते हैं-जनता की सुनना, हर मुश्किल हल करना,
तीन माह में रिपोर्ट बनाना, हरेक वादा पूरा करना।
ये कार नई है, राह पुरानी, जनता फिर भी पैदल है,
साहब की गाड़ी दौड़ रही, गाँव अब भी दलदल है।
किसान कहे-卐मेरी सुन लो,卐 युवा कहे-卐रोजगार दो,卐
गुरु बोले-卐स्कूल सँवारो,卐 मजूर कहे-卐अधिकार दो।卐
कार मिले तो ठीक साब, जनता को भी याद रखिए,
सरकारी सुविधा सहित जनता का दुख साथ रखिए।
(संदर्भ-विजय का ऐलान, विधायक को कार, साथ में 75 हज़ार)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन इंटरनेशनल द्वारा रक्षाबंधन उत्सव आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।

लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन इंटरनेशनल द्वारा आज ट्रैफिक थाना चंद्रावती नाका, ग्वालियर में रक्षाबंधन उत्सव बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्लब की सदस्याओं ने उपस्थित सभी पुलिस भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि एवं सुरक्षित जीवन की मंगलकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सोनम जी, थाना प्रभारी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएसपी श्री अजीत सिंह चौहान जी, टी.आई. श्री धनंजय शर्मा जी एवं श्री जितेन्द्र शर्मा जी उपस्थित रहे।

क्लब की अध्यक्ष लायन नीतू अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही श्रीफल एवं स्मृति-उपहार भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक लायन कामिनी गोयल एवं लायन पूजा अग्रवाल रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर लायन पूनम अग्रवाल, लायन समता जैन, लायन शारदा जैन सहित क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने रक्षाबंधन पर्व के माध्यम से पुलिस विभाग के प्रति अपना सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। उपस्थित अधिकारियों ने क्लब के इस स्नेहपूर्ण एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम सौहार्द, सम्मान एवं भाईचारे के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला सहकारी बैंक से संबद्ध समितियों में पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उठाव महाअभियान प्रारंभ

भिण्ड, जीएनएस।

कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक भिण्ड के निर्देश पर जिला सहकारी बैंक से संबद्ध समितियों में पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उठाव महाअभियान प्रारंभ किया गया है,।

किसान कल्याण एवं कृषि विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी आदेश के परिपालन में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित भिण्ड में रबी वर्ष 2026-27 हेतु एग्रीस्टेक पंचायत एवं पैक्स सदस्यता अग्रिम उठाव अभियान दिनांक 20 अगस्त 2026 से 15 सितम्बर 2026 के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों में किसानों को पैक्स की नवीन सदस्यता, सदस्यता नवीनीकरण तथा रबी फसल के लिये अग्रिम उर्वरक की मांग एवं उर्वरक उठाव की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सभी शाखा प्रबंधकों एवं पैक्स प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वह कृषि एवं राजस्व विभाग के साथ समन्वय कर शिविरों में उपस्थित रहें। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध करावें जिसके लिये अग्रिम भण्डारण किया जा चुका है साथ ही सभी किसानों से अपील की गयी है कि वह अपनी नजदीकी शाखा से संबद्ध पैक्स की सदस्यता प्राप्त कर शासन की शून्य प्रतिशत पर ऋण योजना का लाभ लें अथवा संबंधित ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में पहुँचकर पैक्स की सदस्यता अवश्य लें और शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज योजना का लाभ उठावें तथा अग्रिम उर्वरक उठाव कर रबी सीजन की तैयारी करें। शिविर का समय प्रातः 10.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक रहेगा। यह अभियान किसानों को सहकारिता से जोड़ने और खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाराष्ट्र का त्रिपक्षीय मॉडल बने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था का ब्लूप्रिंट

बीमारी से जंग अकेले नहीं, सरकार 67 -अस्पताल-एनजीओ साथ आएं

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी में चिकित्सा विज्ञान ने ऐसी ऊँचाइयाँ हासिल कर ली हैं,जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव मानी जाती थी। जटिल सर्जरी,अत्याधुनिक कैंसर उपचार,अंगप्रत्यारोपण रोबोटिक तकनीक और जीवनरक्षक दवाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन को नई उम्मीद दी है।लेकिन इसवैज्ञानिक उपलब्धि के समानांतर एक गंभीर मानवीय प्रश्न आज भी पूरी दुनियाँ के सामने खड़ा है,क्या इलाज उपलब्ध होने मात्र से स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो जाती है? यदि किसी गरीब परिवार को अस्पताल में उपचार तो मिल जाए, लेकिन इलाज के दौरान रहने,भोजन,परिवहन,कागजी प्रक्रिया और देखभाल के खर्च के कारण वह कर्ज में डूब जाए,तो क्या इसे पूर्ण स्वास्थ्य न्याय कहा जा सकता है? यही वह बिंदु है जहां दिनांक 23 अगस्त 2026 को महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर प्रस्तावित सरकार,धर्मादाय/निजी अस्पतालों और स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच त्रिपक्षीय सामंजस्य करार का विचार महत्वपूर्ण हो जाता है।यह पहल केवल चिकित्सा खर्च को कम करने की अवधारणा नहीं है,बल्कि मरीज के साथ आने वाले परिवार की सामाजिक, आर्थिक और मानवीय सुरक्षा को स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा मानने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सोच प्रस्तुत करती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस मॉडल को भारत के हर राज्य केंद्र शासित प्रदेश ही नहीं दुनिया के हर देश ने अपनाना चाहिए क्योंकि विश्व स्तरपर स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला निजी खर्च है।गरीब और निम्न-मध्यम आय वाले परिवारों के लिए गंभीर बीमारी केवल चिकित्सकीय संकट नहीं होती; वह आर्थिक संकट भी बन जाती है। किसी मरीज को कैंसर,हृदय रोग, किडनी की गंभीर बीमारी या किसी जटिल सर्जरी के लिए महानगर में जाना पड़े, तोअस्पताल का बिल केवल समस्या का एक हिस्सा होता है।परिवार को कई सप्ताह या महीनों तक किराये का कमरा, भोजन, स्थानीय परिवहन, जांचों के लिए आवाजाही और अन्य आवश्यकताओं पर खर्च करना पड़ सकता है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले परिवारों के लिए यह बोझ और भी गंभीर हो जाता है। अनेक मामलों में मरीज के इलाज की व्यवस्था किसी सरकारी योजना या अस्पताल की रियायत से हो जाती है, लेकिन तीमारदारों की बुनियादी जरूरतें अनदेखी रह जाती हैं। यही वह खाली स्थान है जिसे महाराष्ट्र का त्रिपक्षीय मॉडल भरने की सटीकता से कोशिश करता है।

अगर हम इस मॉडल को समझने की करें तो इस मॉडल की मूल शक्ति इसकी त्रिपक्षीय संरचना में है। पहला स्तंभ राज्य सरकार है, जो नीति, वित्तीय सहायता, डिजिटल सत्यापन, निगरानी और जवाबदेही का ढांचा तैयार करती है।मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहाय्यता कक्ष जैसे तंत्र का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को सरकारी चिकित्सा सहायता तक पहुंचाने में मदद करना है।दूसरा स्तंभ धर्मादाय अथवा निजी अस्पताल हैं,जिनके पास विशेषज्ञ चिकित्सक, आधुनिक उपकरण, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और जटिल उपचार की क्षमता उपलब्ध है। तीसरा और सबसे मानवीय स्तंभ स्वयंसेवी संस्थाएं तथा चैरिटेबल संगठन (एनजीओस) हैं, जो मरीज और उसके परिवार को अस्पताल के बाहर की उन जरूरतों से जोड़ सकते हैं जिन्हें पारंपरिक स्वास्थ्य व्यवस्था अक्सर नजरअंदाज कर देती है। इस प्रकार सरकार की नीति, अस्पताल की चिकित्सा क्षमता और नागरिक समाज की मानवीय संवेदना एक साझा व्यवस्था में जुड़ती है।

साथियों, इस मॉडल का सबसे महत्वपूर्ण नवाचार यह है कि स्वास्थ्य सेवा को केवल अस्पताल के भीतर होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया नहीं माना जाता।किसी गरीब परिवार के लिए अस्पताल तक पहुंचना ही एक चुनौती हो सकता है। महानगर में पहुंचने के बाद सही विभाग ढूंढना, डॉक्टर तक पहुंचना,सरकारी सहायता के दस्तावेज तैयार करना,जांचों की तारीख समझना,दवाओं की व्यवस्था करना और रहने-खाने की समस्या से निपटना अलग- अलग कठिनाइयां हैं। यदि एक पंजीकृत और जवाबदेह एनजीओस मरीज के परिवार के लिए हेल्थ नेविगेटर की भूमिका निभाए,तो वह परिवार को व्यवस्था के भीतर रास्ता दिखा सकता है। इस व्यवस्था में विश्राम गृह, कम लागत या मुफ्त भोजन, स्थानीय परिवहन संबंधी सहायता, दस्तावेजी मार्गदर्शन और मानसिक संबल जैसी सेवाएं शामिल की जा सकती हैं। इससे उपचार की वास्तविक पहुंच केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर मजबूत हो सकती है। इसे एक उदाहरण के रूप में ऐसा समझा जा सकता है कि कल्पना कीजिए कि महाराष्ट्र के किसी दूरस्थ गांव का एक गरीब परिवार अपने आठ वर्षीय बच्चे को लेकर मुंबई या पुणे के किसी बड़े अस्पताल पहुंचता है। बच्चे को गंभीर हृदय रोग है और लंबे उपचार की आवश्यकता है।पारंपरिक व्यवस्था में परिवार को इलाज की आर्थिक चिंता के साथ महानगर में रहने का संकट भी झेलना पड़ सकता है।लेकिन यदि एक प्रभावी त्रिपक्षीय प्रणाली पहले से सक्रिय हो,तो मरीज का सरकारी सहायता के लिए डिजिटल सत्यापन, अस्पताल में उपचार की उपलब्धता और परिवार के लिए सुरक्षित आवास एवं भोजन एक समन्वित प्रक्रिया का हिस्सा बन सकते हैं। इससे परिवार को अलग- अलग संस्थाओं के चक्कर लगाने के बजाय एकीकृत सहायता मिल सकती है। इस उदाहरण का सबसे बड़ा संदेश यह है कि स्वास्थ्य सुरक्षा का अर्थ केवल मरीज को ऑपरेशन टेबल तक पहुंचाना नहीं, बल्कि उसे उपचार की पूरी यात्रा सुरक्षित और गरिमापूर्ण तरीके से पूरी करने में सटिका से सक्षम बनाना है।

इस मॉडल का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम धर्मादाय अस्पतालों और सामाजिक संसाधनों का बेहतर उपयोग है।भारत के अनेक हिस्सों में ऐसे अस्पताल और ट्रस्ट मौजूद हैं जिन्हें सार्वजनिक हित, धर्मादाय गतिविधियों या रियायती सरकारी सुविधाओं के आधार पर सामाजिक दायित्व निभाने होते हैं। यदि गरीब मरीजों के लिएनिर्धारित सेवाओं की पारदर्शी निगरानी हो, डिजिटल रिकॉर्ड बनाए जाएं और पंजीकृत एनजीओस को सामाजिक ऑडिट तथा सहायता व्यवस्था में जिम्मेदार भूमिका दी जाए, तो उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।इसका अर्थ केवल अधिक मुफ्त बेड उपलब्ध कराना नहीं है;इसका अर्थ है कि जिस सामाजिक दायित्व के लिए संस्थागत सुविधाएं विकसित हुई हैं, उसका वास्तविक लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे।

तीसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र बिचौलियों औरअनधिकृत दलालों की भूमिका को कम करना है।बड़े अस्पतालों के आसपास आने वाले ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर मरीज अक्सर जानकारी की कमी के कारण गलत लोगों के संपर्क में आ जाते हैं। उन्हें महंगी एम्बुलेंस,अनावश्यक जांच,संदिग्ध दवाओं अथवा गैरजरूरी सेवाओं के लिए भुगतान करना पड़ सकता है। यदि सरकारी सहायता, अस्पताल की सेवाएं और पंजीकृत एनजीओस की सहायता एक पारदर्शी डिजिटल प्रणाली से जुड़ी हों,तो मरीज के पास आधिकारिक जानकारी का विश्वसनीय स्रोत उपलब्ध होगा। इससे अनौपचारिक दलाली की गुंजाइश कम की जा सकती है। हालांकि यह तभी संभव होगा जब एनजीओस का चयन, वित्तीय पारदर्शिता शिकायत निवारण और स्वतंत्र ऑडिट भी उतनी ही मजबूती से लागू किए जाएं।

राष्ट्रीय स्तर पर इस मॉडल की उपयोगिता और भी व्यापक हो सकती है।भारत में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी योजनाओं ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अस्पताल उपचार की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत किया है।लेकिन चिकित्सा बीमा या सरकारी उपचार सहायता और परिवार की गैर- चिकित्सकीय जरूरतें दो अलग -अलग प्रश्न हैं। इसलिए भविष्य की स्वास्थ्य नीति में उपचार खर्च के साथ %पेशेंट एंड अटेंडेंट सपोर्ट सिस्टम% को भी जोड़ा जा सकता है।उत्तर प्रदेश, बिहार,मध्य प्रदेश, राजस्थान,गुजरात,तमिलनाडु और अन्य राज्यों में यदि प्रमुख सरकारी,निजी और धर्मादाय अस्पतालों के साथ स्थानीय एनजीओस का सुव्यवस्थित नेटवर्क तैयार किया जाए, तो बड़े महानगरों की ओर होने वाले अनावश्यक मरीज पलायन को कम किया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग होगा और मरीजों को अपने राज्य में ही अधिक गरिमापूर्ण उपचार मिल सकेगा।

यह मॉडल महानगरीय स्वास्थ्य संस्थानों पर दबाव कम करने की दिशा में भी उपयोगी हो सकता है। भारत में कुछ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों पर अत्यधिक मरीज भार रहता है। यदि राज्यों में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कार्डियक संस्थान,मेडिकल कॉलेज और सक्षम धर्मादाय अस्पतालों को एकीकृत रेफरल नेटवर्क से जोड़ा जाए तथा मरीजों और तीमारदारों के लिए सहायता केंद्र विकसित किए जाएं, तो स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण संभव है। इससे मरीजों को केवल इसलिए हजारों किलोमीटर दूर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि उनके स्थानीय स्वास्थ्य तंत्र में जानकारी और समन्वय की कमी है।

अंतिम व्यक्ति की पहुंच में स्वास्थ्य सुविधाएं!

हेमेन्द्र क्षीरसागर

किसी भी सभ्य और संवेदनशील समाज की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके सबसे दूर बसे नागरिक को स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा कितनी सहजता से उपलब्ध है। दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं का सवाल इसलिए महज चिकित्सा व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समानता, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा से जुड़ा प्रश्न है।

सामान्य बीमारी, गंभीर रूप : देश के अनेक ग्रामीण, वनांचल और दुर्गम क्षेत्रों में आज भी अस्पताल तक पहुंचना अपने आप में एक चुनौती है। लंबी दूरी, खराब परिवहन व्यवस्था, चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की कमी, नियमित जांच सुविधाओं का अभाव और आवश्यक दवाइयों की अनुपलब्धता के कारण सामान्य बीमारी भी कई बार गंभीर रूप ले लेती है। गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर रोगियों के लिए यह चुनौती और अधिक कठिन हो जाती है।

उपचार केंद्रों का मजबूत नेटवर्क : स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण आवश्यक है, लेकिन केवल भवन बना देना पर्याप्त नहीं। वहां चिकित्सक हों, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी हों, दवाइयां उपलब्ध हों, जांच की सुविधा हो और आपातकालीन स्थिति में मरीज को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था हो तभी स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रभावी कहा जा सकता है। दूरस्थ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पारंपरिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ मोबाइल मेडिकल यूनिट, टेलीमेडिसिन, नियमित स्वास्थ्य शिविर और प्राथमिक उपचार केंद्रों का नेटवर्क मजबूत करना समय की आवश्यकता है। स्थानीय युवाओं को स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने से स्वास्थ्य सेवाओं को गांव की चौखट तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

रोकथाम और जागरूकता : इसके साथ ही स्वास्थ्य का अर्थ केवल बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम और जागरूकता भी है। पोषण, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संक्रामक रोगों की रोकथाम और स्थानीय स्तर पर प्रचलित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता को स्वास्थ्य नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

उपचार की गुणवत्ता महत्वपूर्ण : दूरस्थ अंचलों के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था बनाते समय स्थानीय समाज की भाषा, संस्कृति और जीवनशैली को भी समझना होगा। स्वास्थ्य सेवाओं में संवेदनशीलता और सम्मान का भाव उपचार की गुणवत्ता जितना ही महत्वपूर्ण है। आज आवश्यकता इस सोच को बदलने की है कि मरीज अस्पताल तक पहुंचे। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि स्वास्थ्य सेवा मरीज तक पहुंचे। तकनीक, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और स्थानीय सहभागिता के माध्यम से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और न्याय मुफ्त : अंततः किसी गांव की भौगोलिक दूरी उसके नागरिक के अधिकारों की दूरी नहीं होनी चाहिए। शहर और दूरस्थ अंचल के नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा का समान अधिकार है। जिसकी आज निहायत जरूरत है, जिसे हरहाल में पूरा करने की जिम्मेदारी जिम्मेदारों को निभानी पड़ेगी। मौलिकता में केवल स्वास्थ्य, शिक्षा और न्याय हर नागरिक को मुफ्त में मुहैया होनी चाहिए। बेहतर विकास तभी सार्थक है, जब उसकी पहली किरण अंतिम व्यक्ति के जीवन और स्वास्थ्य तक पहुंचे।

बच्चों के लिए मासिक संस्कार शाला का हुआ शुभारंभ

शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा देना भी मूल कार्य: वैदिक विद्वान समीर गांधी

शिवपुरी जीएनएस
परिमल समाज कल्याण समिति शिवपुरी द्वारा बच्चों की मानसिक वृद्धि एवं श्रेष्ठ नागरिक बनाने की दिशा में मासिक संस्कार शाला का शुभारंभ स्थानीय आर्य समाज मंदिर से किया,जिसमें सभी बच्चों ने एक साथ हवन कर पहले राष्ट्र कल्याण की आहुति व तदुपरांत बौद्धिक ग्रहण किया। सामूहिक हवन के उपरांत बच्चों को संबोधित करते हुए वैदिक विद्वान समीर गांधी ने कहा कि माता पिता की सेवा, गुरुओं की सेवा,विद्वान अतिथियों के आगमन पर उनका सत्कार,मूक पशु पक्षियों को अन्न जल देना प्रत्येक बच्चे युवा का कर्तव्य है,यही वास्तविक धर्म है,जिसे ईश्वरीय कृपा से किया जा सकता है।जल, वायु,भूमि,अग्नि,आकाश इन सभी का हम पर ऋण है,क्योंकि इनका प्रतिदिन हम उपयोग करते हैं, इसे सबने फ्री यानी मुफ्त का समझ लिया है,पर ये मुफ्त में नहीं है,इनको बचाए रखना, बढ़ोतरी करना यह सभी का दायित्व है,प्रतिदिन हवन कर हम इस ऋण को चुका सकते है,प्रकृति को सँवार सकते है।

समीर गांधी ने कहा कि प्रत्येक बच्चा व युवा देश की धरोहर है,देश का भविष्य है,परन्तु युवाओं की तरफ ध्यान देने का

समय किसी के पास नहीं है,इसी बात को ध्यान रखते हुए परिमल समाज कल्याण समिति ने यह संस्कार शाला प्रारंभ की है,जिसका उद्देश्य देश के भविष्य कर्णधारों के मन में संस्कारों की वृद्धि करते हुए उन्हें देश का सच्चा और अच्छा देश भक्त नागरिक बनाना है।सभी को इस कार्य में सहयोग करना चाहिए। परिमल समिति के अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि अगले माह से बच्चों को निशुल्क ज्ञानप्रद पुस्तक देने के साथ साथ वैदिक मंत्र कंठस्थ व प्रतिदिन के व्यवहारिक विषयों पर चर्चा व प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों के ज्ञान में वृद्धि व उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को निखार देने का उपक्रम किया जाएगा। इस आयोजन में वैदिक मंत्रों के साथ सामूहिक हवन के साथ बच्चों ने अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया।राष्ट्र कल्याण की आहुतियाँ जब एक साथ प्रदान की तो पूरा वातावरण सुगंधित हो गया,जिससे सभी का मन हर्षित व प्रफुल्लित हो गया।प्रारंभिक शाला में 40 से अधिक बच्चे व उनके पालक मौजूद रहे,हर माह इस संख्या में वृद्धि कर नौनिहालों को संस्कार देने का प्रयत्न ईमानदारी से किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल,संजय ढींगरा,संजय ढींगरा, कपिल मंगल,नमन विरमानी,सचिन सोनी,परमाल यादव,प्रदीप सोनी,वंदना शिवहरे,सुगंधा शर्मा,रीता अग्रवाल,सरिता अग्रवाल,रोमेश अग्रवाल की विशेष भूमिका रही।आभार कपिल मंगल ने सभी का व्यक्त किया।

खेल परिसर में लगाया आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

भाविप शाखा शिवपुरी संस्कृति सप्ताह : आत्मरक्षा प्रशिक्षण से बच्चों और महिलाओं में बढ़ा आत्मविश्वास

शिवपुरी जीएनएस
भारत विकास परिषद, शाखा शिवपुरी द्वारा संस्कृति सप्ताह 2026 के अंतर्गत षष्ठम दिवस पर स्थानीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम स्थित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों एवं महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ विषम परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल एवं सावधानियों से परिचित कराना रहा।

प्रशिक्षक शिशुपाल ने बताए आत्मरक्षा के विभिन्न व्यावहारिक तरीके : शिविर में प्रशिक्षक शिशुपाल सर ने बच्चों एवं महिलाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न व्यावहारिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि

आत्मरक्षा केवल शारीरिक शक्ति का विषय नहीं है, बल्कि सजगता, आत्मविश्वास, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और सही समय पर सही प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संभावित खतरे को पहचानने, विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर आत्मरक्षा के प्रभावी तरीकों का अभ्यास कराया गया। बच्चों एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मधु जैन एवं श्रीमती रुचि उपाध्याय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती प्रीति जैन के मार्गदर्शन में कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

प्रांतीय पदाधिकारीयो ने बढ़ाया मनोबल : वहीं प्रांतीय संयोजक, संस्कृति सप्ताह श्रीमती रवजीत ओझा का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिन्ही अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक बच्चे एवं महिला का आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। ऐसे प्रशिक्षण शिविर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ 'सजग नागरिक, सुरक्षित समाज' की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की।

62 वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शुभम ने स्वर्ण एवं पूर्वा ने रजत पदक जीता

शिवपुरी जीएनएस
जबलपुर में आयोजित 62 वीं मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय जूनियर ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हैप्पी डेज स्कूल के 3 खिलाड़ी छात्रों ने भाग लिया यह प्रतियोगिता मध्य प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी जिसमें हैप्पी डेज स्कूल के शुभम दांगी ने 600 मी. दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया, पूर्वा गुर्जर ने 400 मी. दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं दोनों का चयन राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता गोआ के लिए हुआ है वहीं ओम लोधी 400 मी. बाधा दौड में चतुर्थ स्थान मिला। विद्यालय संचालिका श्रीमती गीता दिवान प्राचार्य श्रीमती अंजू शर्मा खेल विभाग एवं एथलेटिक्स कोच मृदुल शर्मा, मनोज मिलती, शाहीन बी, गिर्राज शर्मा, भरत, मनीष एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने बधाई दी एवं आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया।

अजमेर ओझा बने अध्यक्ष, समाज की एकता और संगठन विस्तार पर दिया जोर

ओझा समाज युवक मंडल की पोहरी में बैठक संपन्न

शिवपुरी जीएनएस
ओझा समाज युवक मंडल, मध्य प्रदेश (रजि.) द्वारा पोहरी तहसील स्तर पर महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज की एकता, संगठन की मजबूती, सामाजिक उत्थान एवं युवाओं की भागीदारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, पुष्पमाला अर्पण एवं मंत्रोच्चार के साथ हुआ। बैठक की अध्यक्षता पी.डी. ओझा (सेवानिवृत्त) ने की। इस दौरान पोहरी क्षेत्र के समाजबंधुओं की सर्वसम्मति से अजमेर ओझा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन में बालकृष्ण ओझा (पूर्व अध्यक्ष), रमेश कुमार ओझा, रामचरण ओझा(शिक्षक), कल्याण चंद ओझा (पटवारी) एवं श्रीकृष्ण ओझा को संरक्षक बनाया गया। विष्णु ओझा एवं बाबूलाल ओझा को संयोजक तथा राधाबल्लभ ओझा, चंद्रकांत ओझा, धर्मेंद्र ओझा, सुमंत कुमार झा एवं राकेश ओझा को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। लोकेंद्र ओझा को सचिव, डॉ. नंदकिशोर ओझा को सहसचिव, मुकेश ओझा को कोषाध्यक्ष, केदारी ओझा को सह-कोषाध्यक्ष एवं हेमंत ओझा को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी एवं वरिष्ठ समाजबंधुओं की विशेष उपस्थिति रही। इनमें

भगवत झा गुरु, हरगोविंद ओझा (सेवानिवृत्त भारतीय सेना), रामगोपाल ओझा (शिक्षक), डॉ. पहलवान सिंह ओझा, कैलाश ओझा, राज ओझा (प्रदेश अध्यक्ष), नंदकिशोर ओझा (प्रदेश कोषाध्यक्ष), एडवोकेट कृष्णकांत झा (प्रदेश सचिव), सोनू ओझा (सतर्कता मंत्री), गोविंद ओझा (प्रदेश समिति सदस्य), परमानंद ओझा एवं दीपू ओझा (सदस्य) सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए एकता, भाईचारा, संगठनात्मक मजबूती एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाजहित में पूरी निष्ठा से कार्य करने तथा पोहरी क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारियों को समाजबंधुओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शिवपुरी के मोनू शाक्य ने जीता 70वां मिस्टर एमपी बॉडी बिल्डिंग खिताब

शिवपुरी जीएनएस
मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिताओं में से एक 70वां एमपी बॉडी बिल्डिंग का भव्य आयोजन शनिवार को इंदौर के नेहरू स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि इंदौर विधायक गोलू शुक्ला रहे, जिनके द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में शिवपुरी, मध्य प्रदेश के निवासी मोनू शाक्य ने अपने दमदार शारीरिक प्रदर्शन से खिताब अपने नाम कर लिया। मंच पर विधायक गोलू शुक्ला द्वारा मोनू शाक्य को पुरस्कार प्रदान किया गया, मोनू शाक्य निरंतर अपने शरीर सौष्ठव का शानदार प्रदर्शन करते हुए शिवपुरी जिले का नाम प्रदेश एवं देश स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

थाना मोहना पुलिस ने ''ऑपरेशन फास्ट'' के तहत फर्जी सिम विक्रयकर्ता/एजेंटों के विरुद्ध की कार्यवाही

?? फर्जी दस्तावेजों पर सिम जारी कर अन्य व्यक्तियों को बेचने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस। पुलिस उप महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज ग्वालियर द्वारा जारी निर्देशों के पालन में ग्वालियर जिले में फर्जी सिम विक्रयकर्ता/एजेंटों के विरुद्ध ''ऑपरेशन फास्ट'' के तहत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर (ग्रामीण) श्री जयराज कुबेर को थाना मोहना से संबंधित शिकायतों में संदिग्ध सिम विक्रयकर्ता धारकों/एजेन्टों के विरुद्ध थाना मोहना पुलिस एवं तकनीकी सेल की संयुक्त टीम से वैधानिक कार्यवाही कराने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के परिपालन में एसडीओपी घाटीगांव श्री शैलेन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी मोहना निरी0 विनय सिंह तोमर के नेतृत्व में थाना मोहना व तकनीकी सेल की पुलिस टीम को उक्त प्राप्त शिकायतों की जॉच कर संदिग्ध सिम विक्रयकर्ता धारकों/एजेन्टों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु लगाया गया।

पुलिस टीम ने एनसीआरपी पोर्टल पर प्राप्त विभिन्न साइबर अपराध संबंधी शिकायतों की जांच के दौरान पाया कि कई शिकायतों में ऐसे मोबाइल नंबरों का उपयोग किया गया है, जो अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर जारी हैं तथा जांच में सामने आया कि संबंधित सिम कार्ड एक ही सिम विक्रयकर्ता लाखन धाकड़ निवासी मोहना द्वारा जारी किए गए हैं। दौराने जांच उक्त मोबाइल नंबरों के उपभोक्ता फार्म एवं सिम वेंडर संबंधी जानकारी प्राप्त की गई तथा दस्तावेजों के अवलोकन पर पाया गया कि चार सिम कार्ड अलग-अलग महिलाओं के नाम पर जारी किए गए थे। संबंधित सिम धारकों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए सिम विक्रयकर्ता लाखन धाकड़ को आधार कार्ड, फोटो एवं फिंगरप्रिंट उपलब्ध कराए थे। उन्होंने उक्त नंबरों की सिम स्वयं अथवा अपने परिवार के किसी सदस्य द्वारा उपयोग करना तथा अपने नाम से अन्य सिम जारी कराना स्वीकार नहीं किया।

जिस पर से पुलिस द्वारा सिम विक्रयकर्ता लाखन धाकड़ से उक्त सिमों के संबंध में गहनता से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह वर्ष 2021-22 से एयरटेल, जियो एवं वीआई कंपनी की सिम पोर्ट करने एवं नई सिम जारी करने का कार्य करता है तथा गांव-गांव जाकर लोगों की सिम पोर्ट करता है। उसने संबंधित महिलाओं के दस्तावेजों पर सिम जारी करना स्वीकार किया। पूछताछ में उसने यह भी बताया कि लगभग पांच माह पूर्व उसने संबंधित सिमों को महिलाओं की जानकारी के बिना एक्टिव कर लिया था तथा उक्त सिम उन्हें न देकर सोनू धाकड़ को 200 रुपये में बेच दी थीं।

थाना मोहना पुलिस द्वारा संपूर्ण जांच एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी लाखन धाकड़ एवं सोनू धाकड़ को विधिवत गिरफ्तार किया जाकर उनके खिलाफ थाना मोहना में धारा 318(4),316(2) बीएनएस एवं 66(सी) आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपीगणः-

1. लाखन धाकड़ पुत्र शिवदयाल धाकड़, उम्र 27 वर्ष, निवासी नसरुल्ला कॉलोनी, मोहना, जिला ग्वालियर।
2. सोनू धाकड़ पुत्र मातादीन धाकड़, उम्र 26 वर्ष, निवासी मंटो कॉलोनी, मोहना, जिला ग्वालियर।

सराहनीय भूमिकाः- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहना निरीक्षक विनय सिंह तोमर, प्र.आर0 अनिल तिवारी, आर0 महेश बघेल, लोकेश जाट, दिगम्बर जाट, सूरज राजे, सुनील धाकड़, देवेन्द्र सिसोदिया, रवि सूर्यवंशी, आर. चालक संजय रावत, साइबर सेल से प्रभारी साइबर सेल उनि0 रजनी रघुवंशी, आर0 अजय यादव एवं सोनू प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही।

ट्रेन के नीचे आई महिला की जीआरपी ने बचाई जान, समय पर अस्पताल पहुंचाया

फिरोजाबाद, जीएनएस। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से घायल हुई 42 वर्षीय महिला के लिए जीआरपी पुलिस देवदूत बनकर सामने आई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए महिला को ट्रेन के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

मंगलवार शाम करीब 4ः20 बजे फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 पर मऊ एक्सप्रेस के पहुंचने के बाद उप स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से जीआरपी को एक महिला के ट्रेन से घायल होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक शेर सिंह के नेतृत्व में जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि 42 वर्षीय महिला ट्रेन के नीचे घायल अवस्था में पड़ी थी। उसके शरीर पर कई जगह चोट लगी थी और रक्तस्राव हो रहा था। महिला होश में थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने महिला आरक्षी की मौजूदगी में बिना समय गंवाए महिला को सुरक्षित बाहर निकाला।

इसके बाद एंबुलेंस को मौके पर बुलाया गया। महिला के पास मिले की-पैड मोबाइल पर आए फोन के माध्यम से पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया। परिजनों ने महिला को अपनी पत्नी बताया। पुलिस ने उन्हें घटना की जानकारी देते हुए जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचने के लिए कहा। एंबुलेंस पहुंचने पर जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों की मदद से महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। जीआरपी की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से महिला को समय रहते उपचार मिल सका।

103 ट्यूबवेल ऑपरेटरों को वेतन समेत ड्यूटी पर लेने की मांग

फिरोजाबाद, जीएनएस। नगर निगम में कार्यरत रहे 103 ट्यूबवेल ऑपरेटरों को पूर्व वेतन समेत ड्यूटी पर लिए जाने की मांग को लेकर अधिवक्ता धर्मसिंह यादव ने नगर आयुक्त को पत्र दिया है। पत्र में उन्होंने श्रम न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय तक हुए आदेशों का हवाला देते हुए ऑपरेटरों को राहत देने की मांग की है।

अधिवक्ता ने पत्र में कहा कि ट्यूबवेल ऑपरेटरों की सेवाएं समाप्त किए जाने के मामले में श्रम न्यायालय ने उन्हें सवेतन ड्यूटी पर लेने का आदेश दिया था। उनके अनुसार इस आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट और उच्चतम न्यायालय ने भी सही माना तथा नगर निगम की ओर से दाखिल याचिकाएं निरस्त कर दी गईं। रिव्यू याचिका भी खारिज होने का दावा किया गया है।

ठेका श्रमिकों के पंजीकरण का मुद्दा उठाया

पत्र में नगर निगम में कार्यरत ठेका श्रमिकों के पंजीकरण और श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली सुविधाओं का मुद्दा भी उठाया गया है। कहा गया है कि बड़ी संख्या में श्रमिक ठेकेदारों के माध्यम से कार्यरत हैं, लेकिन उनके नाम-पते का श्रम कार्यालय में पंजीकरण नहीं कराया गया है। श्रमिकों को नियमानुसार सभी सुविधाएं दिए जाने की मांग की गई है।

अधिवक्ता ने नमामि गंगे योजना के तहत सीवर लाइन और सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए आए धन के उपयोग पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन और ट्रीटमेंट प्लांट के प्रभावी रूप से संचालित नहीं होने की स्थिति में योजना के तहत मिले धन के उपयोग की जांच जरूरी है। पत्र में इस मामले की ईडी से जांच कराने की मांग भी की गई है।

अधिवक्ता धर्मसिंह यादव ने नगर आयुक्त से 103 ट्यूबवेल ऑपरेटरों को पूर्व वेतन सहित ड्यूटी पर लेने के साथ ही अन्य उठाए गए मामलों पर गंभीरता से विचार कर कार्रवाई की मांग की है।

महाराजा अरुणादित्य देव ने श्री विजय शंकर महादेव पर कांवड़ लेकर पहुंचे कांवड़ियों का किया आत्मीय स्वागत

दतिया, जीएनएस। सावन के महीने में श्रद्धालु धार्मिक उल्लास एवं उत्साह से शिव भक्ति में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में सोमवार की शाम दतिया महाराजा अरुणादित्य देव ने किला चौक स्थित श्री विजय शंकर महादेव पर कांवड़ लेकर जलाभिषेक करने पहुंचे कांवड़ियों का फूल मालाएँ पहनाकर आत्मीय स्वागत, अभिनन्दन किया।

कांवड़ियों में प्रमुख रूप से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम बुन्देला बाबा, रघुवीर सिंह कुशवाहा, राधेश्याम अग्रवाल, रामकुमार अग्रवाल, विपिन गोस्वामी, विजय बुन्देला, काका परिहार, गुलाब यादव,पुनीत टिलवानी,अरविंद सिंह परमार, सोनू चौहान, शिरोमणि सिंह सोलंकी,राघवेंद्र सिंह परमार आदि शामिल रहे। कांवड़िया दतिया के प्रसिद्ध तीर्थ उनाव बालाजी मंदिर की पहुंज नदी से जल भर कर पैदल यात्रा करते हुए दतिया पहुंचे थे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रवि ठाकुर, श्यामपाल सिंह परमार,शैलेंद्र सिंह बुन्देला, रामू राजा, देवेंद्र सिंह बुंदेला साथ में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाराजा अरुणादित्य देव ने श्री विजय शंकर महादेव का पूजन अर्चन कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

श्रीशेष नारायण मन्दिर में आचार्य श्रीविष्णु स्वामी जयंती महामहोत्स 03 को

वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग/चामुण्डा मोड़ स्थित श्रीशेष नारायण मन्दिर (आनन्द धाम) में आचार्य श्रीविष्णु स्वामी जयंती महामहोत्सव श्रीमज्जगद्गुरु विष्णुस्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज (बल्लभगढ़ वाले) के पावन सानिध्य में 03 सितम्बर 2026 को विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है। यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 07 बजे से विष्णु स्वामी अखाड़ा (ज्ञान गुदड़ी) से आनंद धाम आश्रम (श्री शेषनारायण मंदिर) चामुंडा मोड़, परिक्रमा मार्ग तक गाजे-बाजे के मध्य निकलने वाली भव्य शोभायात्रा।

रक्षा सूत्रों से सजा भाईचारा: शासकीय स्कूल के बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन

बड़ागांव, जीएनएस। सरदार ज्ञान सिंह मेमोरियल कॉलेज, बड़ागांव में कॉलेज परिवार और लायंस क्लब प्रियदर्शनी के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय विद्यालय के बच्चों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चियों ने विद्यालय परिवार के सदस्यों को रक्षा सूत्र बांधे, जबकि लायंस क्लब की ओर से बच्चों को पुरस्कार और उपहार वितरित किए गए। आयोजन के माध्यम से रक्षाबंधन के सांस्कृतिक महत्व के साथ बच्चों में प्रेम, भाईचारे, आत्मविश्वास और सामाजिक समरसता की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पीताम्बर प्रताप सिंह एवं श्री मनोज सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर नन्हीं बच्चियों ने विद्यालय परिवार के सदस्यों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

लायंस क्लब प्रियदर्शनी की अध्यक्ष सतविंदर कौर सचदेवा एवं उनकी टीम द्वारा शासकीय

विद्यालय के बच्चों को पुरस्कार एवं उपहार प्रदान किए गए। इस पहल से बच्चों का उत्साह बढ़ा और उनका मनोबल भी मजबूत हुआ। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण एवं शासकीय विद्यालयों के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं तथा उनमें आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सरदार ज्ञान सिंह कॉलेज के संचालक श्री सुरेंद्र सिंह सचदेवा एवं श्री तरविंदर सिंह सचदेवा ने सभी अतिथियों, लायंस क्लब प्रियदर्शनी की टीम, विद्यालय परिवार एवं बच्चों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय विद्यालय के बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाने की एक सराहनीय पहल रही, जिसने बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं रक्षाबंधन के महत्व के साथ-साथ आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सौदान सिंह को राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) बनने पर सरपंच सुंदर लाल ने दी बधाई

प्राण शर्मा।

गुड़गाँव । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सौदान सिंह को राष्ट्रीय सह-महामंत्री (संगठन) का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में खुशी की लहर है।

श्री सौदान सिंह को यह बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर पंचायती राज प्रकोष्ठ भाजपा हरियाणा के प्रदेश सह संयोजक एवं नगर निगम मानेसर से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व में मेयर प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव ने उन्हें बुके भेंट कर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि सौदान सिंह जी का राष्ट्रीय सह मंत्री (संगठन) बनना हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सौदान सिंह एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन संगठन को समर्पित कर दिया है। जमीनी स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को मजबूत करने में उनकी भूमिका अतुलनीय रही है। सरपंच सुंदर लाल यादव ने केंद्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने एक योग्य और अनुभवी व्यक्ति को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। सौदान सिंह जी जैसे संगठन के प्रति समर्पित नेता को यह दायित्व मिलना भाजपा की संगठनात्मक मजबूती को दर्शाता है। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि यह नियुक्ति इस बात का भी प्रमाण है कि भाजपा में मेहनत, निष्ठा और समर्पण का हमेशा सम्मान होता है। उनके अनुभव का लाभ निश्चित रूप से पूरे देश के संगठन को मिलेगा। सुंदर लाल यादव ने कहा कि सौदान सिंह जी ने कई राज्यों में संगठन मंत्री के रूप में काम करते हुए भाजपा को मजबूत करने का काम किया है। उनकी कार्यशैली, सबको साथ लेकर चलने की क्षमता और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने की कला के कारण वे कार्यकर्ताओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इस अवसर पर समाजसेवी एनआरआई सैल के प्रदेश सह-संयोजक संजय यादव, ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री कर्मबीर यादव ने भी श्री सौदान सिंह को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति संगठन के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

नाली बंद करने को लेकर विवाद, पड़ोसी ने मारपीट का लगाया आरोप

डबरा, जीएनएस।

बाथम कॉलोनी में नाली बंद करने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर गाली-गलौज और थप्पड़-मुक्कों से मारपीट करने का आरोप लगाया। मामले में डबरा थाने में असंज्ञेय अपराध की सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पुलिस के अनुसार फरियादी दिनेश कुमार सोनी उम्र 45 वर्ष निवासी बाथम कॉलोनी ने शिकायत में बताया कि 24 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे उसके पड़ोसी मल्ला सरदार ने नाली बंद कर दी थी। नाली बंद होने के कारण उसके मकान के सामने सड़क पर पानी भर गया। जब दिनेश ने पड़ोसी से नाली बंद करने का कारण पूछा तो कथित तौर पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा।

फरियादी का आरोप है कि गाली देने से मना करने पर आरोपी ने उसके साथ थप्पड़-मुक्कों से मारपीट कर दी। दिनेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उसे ज्यादा चोट नहीं आई है, इसलिए वह मेडिकल परीक्षण नहीं कराना चाहता। घटना उसकी पत्नी रानी सोनी सहित मोहल्ले के लोगों द्वारा देखे जाने की बात भी शिकायत में कही गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) और 352 के तहत एनसीआर क्रमांक 0318/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला असंज्ञेय अपराध की धाराओं में दर्ज किया गया है।

पुस्तक प्रदर्शनी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र, छात्राओं ने रुचि से पढ़ीं ज्ञानवर्धक पुस्तकें

ग्वालियर, जीएनएस।

नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा शासकीय केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों से संबंधित ज्ञानवर्धक पुस्तकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज सांदीपनि स्कूल एवं पद्मा विद्यालय की छात्राओं ने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्राओं ने प्रदर्शनी में रखी विभिन्न पुस्तकों को रुचि के साथ पढ़ा और उनके विषय में जानकारी प्राप्त की। पुस्तकों के माध्यम से छात्राओं ने अपने ज्ञान में वृद्धि की तथा पठन-पाठन के प्रति अपनी रुचि भी प्रदर्शित की। पुस्तक प्रदर्शनी विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने, ज्ञानवर्धन करने और विभिन्न विषयों के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

जन उत्थान न्यास का विराट आयोजन: 6 सितंबर को 3100 शिक्षकों का होगा भव्य सम्मान

ग्वालियर, जीएनएस।

शिक्षा के क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा दे रहे शिक्षकों को नमन करने के लिए शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास एक बार फिर विराट आयोजन करने जा रही है। संस्था के तत्वावधान में 6 सितंबर, रविवार को शाम 4 बजे संस्कृति बैंकेट, मेला ग्राउंड, ग्वालियर में 3100 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बताया कि सम्मान समारोह में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता हैं, उनका सम्मान करना हम सभी का परम कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि जन उत्थान न्यास वर्ष भर सामाजिक हित के कार्य करती है और गरीबों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहती है। इसी कड़ी में हर वर्ष शिक्षक दिवस सप्ताह के अंतर्गत यह सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है। इस वर्ष के आयोजन के संयोजक संजय कट्टल रहेंगे। आयोजन को सफल बनाने में न्यास के उपाध्यक्ष विनोद जैन, सचिव अवधेश कौरव, कोषाध्यक्ष अवध सिंह धाकरे, न्यासी आदित्य सिंह सिकरवार, डॉ. राकेश अग्रवाल, के.पी. सिंह भदौरिया, नरेन्द्र सिंह राजावत, सुरेश प्रजापति, महेश कुशवाह सहित पूरी टीम जुटी हुई है। समारोह में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन पर सहभोज का आयोजन भी रखा गया है।

प्रभु ने सुदामा जी पर कृपा कर दीन बंधू नाम को सार्थक किया

ग्वालियर, जीएनएस।

सिद्ध पीठ श्री गंगा दास जी की बड़ी शाला में झूलन महोत्सव के पावन उपलक्ष में जगतगुरु पूर्ण बैराठी पीठाधीश्वर स्वामी श्री रामसेवक दास जी महाराज के सानिध्य में चल रही श्री मद भागवत कथा में श्री धाम वृन्दावन से पधारे पंडित जानकी वल्लभ शास्त्री जी ने भगवान की नाम महिमा का वर्णन किया जो प्रभु का नाम जपते है उन पर प्रभु की कृपा होती है ।

भगवान का नाम ही जीवन का असली धन है क्यों की लौकिक धन तो खर्च होता रहता है पर भगवान का नाम रूपी धन तो हमेशा बढ़ता रहता है इस लिए भगवान का नाम ही जीवन का सार है कथा में सुदामा चरित्र का वर्णन किया भगवान ने सुदामा जी पर कृपा की प्रभु श्री सुदामा जी का भगवान ने बहुत ही आदर किया और अपने नेत्रों के जल से उनके पैर धोए और आचमन किया प्रभु ने अपने दीन बंधू नाम की सार्थक ता की सुदाम जीभगवान के लिए चावल की भेट लेकर गए और भगवान ने दो मुठी चावल खा कर सुदामा जी को दो लोक की संपत्ति प्रदान की एवं भागवत की महिमा का वर्णन किया भागवत के 10 लक्षण एवं दत्तात्रेय जी के 24 गुरुओ की कथा के बारे में बताया और परीक्षत मोक्ष की कथा का वर्णन किया और अभी श्रोताओ ने व्यास पूजन किया एवं परीक्षत परिवार ने व्यास पूजन कर आरती उतरी इस अवसर पर मदन मोहन कटारे राजू कंकर जी रेवती रमन कटारे कुणाल कटारे आदि भक्त जन उपस्थिर रहे।

अपने-अपने त्यौहार को खुशहाली से मनाएं

त्योहारों में किसी ने दखलंदाजी की ऐसे लोगों को कानून के तहत सर्वाधिक कार्यवाही की जाएगी

जालौन, जीएनएस।

बारा वफात रक्षाबंधन जन्माष्टमी त्योहारों को सकुशल तरीके से संपादित करने के उद्देश्य से उप जिलाधिकारी पुलिस उपाधीक्षक संयुक्त अध्यक्षता में प्रभारी निरीक्षक अधिकारियों गणमान्य नागरिक की मौजूदगी में पीस कमेटी बैठक सकुशल तरीके से संपन्न हुई।

सोमवार की शाम लगभग 3ः45 बजे कोतवाली अथिति ग्रह में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने दोनों वर्ग के लोगों की मौजूदगी में कहा कि अपने-अपने त्यौहार पूर्व की भांति परंपरागत तरीके से खुशी माहौल में मनाये यदि किसी ने त्योहारो को बिगाड़ने की हिम्मत जुटाई ऐसे लोगों साथ कानून का डंडा चलाकर शक्ति से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी उन्होंने मौजूद लोगों को आश्वासन दिया त्यौहार में सारी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रहेगी

पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल ने कड़े शब्दों में कहा कि दोनों धर्म के लोग अपने-अपने त्यौहार परंपरागत तरीके से मनाये किसी भी व्यक्ति ने त्योहार मनाने में व्यवधान डाला ऐसे व्यक्ति को कानून के तहत सर्वाधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी उन्होंने कहा जुलूस में डीजे की ध्वनि को कम कर बजाये कोई गलत नारे न लगाने के कड़े निर्देश दिए प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने मौजूद लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि पूर्व की भांति परंपरागत तरीके से जुलूस तथा रक्षाबंधन जन्माष्टमी त्योहारों में पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे सुरक्षा के बाबत किसी भी कोताही को मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा वरिष्ठ उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह ने जुलूस के रूट निकालने वाली सड़कों तथा शुरुआत एवं समापन चिन्हित जगह को मौजूद अधिकारियों को अवगत कराया मौजूद गणमान्य लोगों ने अधिकारियों को आश्वासन दिया कि अपने-अपने त्यौहार बड़े प्रेम से मना कर हिंदू मुस्लिम एकता प्रतीक सदैव साबित रहेगी बैठक में मौजूद विद्युत अवर अभियंता सत्य प्रकाश पालिका आर आई अजीत सिंह यादव जल संस्थान लिपिक इंद्र कुमार सचान खुफिया तंत्र के एस के सचान जितेंद्र सिंह सपा नेता शिवबालक सिंह यादव भाजपा नेता अशोक बाजपेई भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राकेश पुरवार व्यापारी नेता जावेद अख्तर वैभव बिश्नोई अब्दुल मुजीब अरबाज बरकाती निजामुद्दीन इब्राहीम खान मोहम्मद अखलाल अंसारी आदि लोग मौजूद थे।

कमल हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

फिरोजाबाद, जीएनएस। रामगढ़ थाना क्षेत्र के नगला गुलरिया में निर्माणाधीन मकान में मिले कमल के शव के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी आकाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

23 अगस्त को नगला गुलरिया स्थित निर्माणाधीन मकान में एक युवक का शव मिला था। उसकी पहचान कमल निवासी नगला केसरी, थाना एत्मादपुर, आगरा के रूप में हुई थी। परिजन की तहरीर पर रामगढ़ थाने में आकाश के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

सांती रोड पर घेराबंदी कर पकड़ा: आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई थीं। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि आकाश सांती रोड पर छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद हुए।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 22/23 अगस्त की रात कमल ने नगला गुलरिया तक जाने के लिए उससे लिफ्ट मांगी थी। वहां पहुंचने के बाद उसने कमल के साथ कुकर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने कमल के सिर में ईंट मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को मौके पर छोड़कर वह फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक का रियलमी मोबाइल फोन, कपड़े और घटना में प्रयुक्त लोडर टिर्री भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सामूहिक विवाह में 122 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

टूंडला। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मंगलवार को पीपल चौकी-चुल्हावली रोड स्थित लक्ष्मी फार्म हाउस में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 122 जोड़ों का विवाह कराया गया। इनमें 110 हिंदू और 12 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। समारोह में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और टूंडला विधायक प्रेमपाल धनगर ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सामान्य परिवारों के लिए बड़ी राहत है। बेटी के विवाह को लेकर अभिभावकों को आर्थिक चिंता रहती है। सरकार की इस योजना से पात्र परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिल रही है।

एग्रीस्टैक पंजीयन, पैक्स सदस्यता और अग्रिम उर्वरक उठाव के लिए 15 सितंबर तक चलेंगे ग्राम पंचायतवार शिविर

कलेक्टर श्री वर्मा ने दिए सुचारू संचालन के निर्देश, 27 अगस्त को जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित होंगे कार्यक्रम

शिवपुरी, जीएनएस। रबी वर्ष 2026-27 में उर्वरक के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों को उनकी फसल हेतु आवश्यक उर्वरक सुव्यवस्थित रूप से अग्रिम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रदेशव्यापी एग्रीस्टैक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान 20 अगस्त से 15 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने जिले के सभी विकासखंडों में ग्राम पंचायतवार कार्यक्रम अनुसार अभियान का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

अभियान का मुख्य उद्देश्य और व्यवस्थाएं

इस अभियान के माध्यम से ई-विकास प्रणाली के टोकन जनरेट करने सहित पोर्टल पर उपलब्ध सभी सुविधाओं को किसानों तक पहुंचाने, शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनवाने, बकेटिंग के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने, पैक्स में अधिकाधिक किसानों को सदस्य बनाने और केसीसी सेचुरेशन के लक्ष्य को पूरा करने किया जाएगा। अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सहकारिता, किसान कल्याण तथा कृषि विकास और कृषि संबद्ध विभागों के अमले को शामिल कर संयुक्त टीमें गठित की गई हैं।

अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

अभियान के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। अपने-अपने क्षेत्रों में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी, समस्त तहसीलदार सहायक नोडल अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिविर आयोजन प्रभारी तथा समस्त वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सहायक प्रभारी के रूप में कार्य करेंगे। गठित टीम को दैनिक प्रगति की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

27 अगस्त को इन ग्रामों में आयोजित होंगे शिविर

अभियान के अंतर्गत 27 अगस्त को जिले के विभिन्न विकासखंडों के चिन्हित ग्रामों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें विकासखंड शिवपुरी में ग्राम टोंका, विलोकलां, चंदनपुरा, दरौनी, ख्यावदाकलां, विकासखंड पोहरी में ग्राम देवरीकलां, ऐंचवाड़ा, फूलीपुरा, गोवारा, गोंदारी, जरियांकलां, जोराई, विकासखंड नरवर में ग्राम रामगढ़, सिलरा, सोन्हार, तालवेव, विकासखंड कोलारस में ग्राम अटारा, चिलावद, देहरवारा, गोहरी, मढ़ीखेड़ा, विकासखंड बदरवास में ग्राम झंडी, माढ़ा, रामगढ़, रिन्हाया, विनेका, विकासखंड करैरा में ग्राम टीला, निचरोली, कालीपहाड़ी, जुझाई, रहरगंवा, बड़ौरा, विकासखंड पिछोर में ग्राम उमरीकलां, उमनरीखुर्द, देवखेड़ा, गरेठा, रेवाई, जुंगीपुर, देवरीखुर्द, गोदिया, विकासखंड खनियांधाना में ग्राम पचराई, पहाड़ाखुर्द, पातीचक, पिपरोदालम, पिपरौदुवारी, तेरई में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों के किसानों से अपील की है कि वे आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर एग्रीस्टैक पंजीयन, केसीसी और अग्रिम खाद उठाव जैसी सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

समाजसेवी सुनील जैन ने किया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य का स्वागत

ग्वालियर के निकट औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर के छाया इलेक्ट्रिक एंड फर्नीचर शॉप पर मालनपुर महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सोना जैन एवं वाणी भारती इंग्लिश मीडियम स्कूल के संचालक सर सुनील जैन एवं कुशल जैन सह मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा मालनपुर के द्वारा सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ गाजे बाजे से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य जी का जोरदार स्वागत किया गया सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जी को माला पहनाकर एवं महिला कार्यकर्ताओं ने राखी बांधकर सम्मान किया विद्यालय संचालक

सुनील जैन ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य जी को शाल पहनाकर सम्मान किया लाल सिंह आर्य जी ने भी सुनील जैन जी को गले लगाकर उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया7 स्वागतकर्ताओं में मुख्य रूप से अजय जैन, शुभम जैन, मोनू गुर्जर,हिमांशु जैन, चेतन शर्मा,रोहित जैसवार,अमन राजावत,पीयूष शर्मा उपास्थि रहे7 महिला कार्यकर्ताओं में मुख्य रूप से पूजा,ज्योति, माधुरी, सोनिया, लता, संगीता, मालती, रुक्मणी चौरसिया उपस्थित रही।

गायत्री प्रज्ञा पीठ पर एक शाम मां के नाम का आयोजन संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस। सोमवार को गायत्री प्रज्ञा पीठ के परम सेवक एवं सहयोगी श्याम सुंदर खत्री की माताजी स्वर्गीय शीलावती धूपर की स्मृति में एक शाम मां के नाम भजना जलि एवं सम्मान कार्यक्रम रखा गया इसमें गायत्री परिवार एवं आसपास के क्षेत्रीय लोगों ने भजन संध्या का आनंद लिया तत्पश्चात गायत्री प्रज्ञा पीठ के सेवाधारियों एवं सहयोगियों का श्री श्याम सुंदर खत्री एवं उनके परिवार के नरेश कुमार खत्री, श्री रवि खत्री, सदस्यों ने देवी राम पाल,राम कपूर गोविंद अरोड़ा, गोपाल, नवीन परस्त रामानी, प्रमोद

भाटिया, गायत्री प्रज्ञा पीठ के प्रमुख परम ट्रस्टी शिवबीर सिंह चौहान, व्यवस्थापक यशवंत सिंह, संतोष सिंह कुशवाहा, डॉक्टर आरती सिंह, श्रीमती सुमन परिहार, सरमन सिंह सिकरवार, गोपीलाल साहू आदि भारी संख्या में गायत्री परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी

श्रीमती रत्ना गोयल

(धर्मपत्नी महेश गोयल)

का स्वर्गलोक गमन दिनांक 24-08-2026, सोमवार को हो गया है। जिनकी उठावनी आज दिनांक 26-08-2026 बुधवार को सायंकाल 3 से 4 बजे तक

स्थान-चम्पाबाग बगीची, नई सड़क, लश्कर, ग्वालियर पर होगी।

शोकाकुल :

महेश गोयल (पति), दिनेश-वीना (जेठ), दिलीप, मनोज (देवरगण) प्रियांशु (पुत्र), हिमांशु-अर्चना (पुत्र-पुत्रवधु), दिपांशु, सुधांशु (भतीजेगण), अतिन-वर्षा, नितिन-रितु, अंकुर-चारू, राघव-शिवी, अतुल-साक्षी, सन्नी-गरिमा, भरत-रुचि (पुत्री-दामादगण) नेहा, प्रिया (पुत्रियाँ), अथर्व, अवि (नातीगण) एवं समस्त गोयल परिवार

SANCHAR

प्रतिष्ठान : बसंत नमकीन भण्डार, हनुमान चौराहा
बसंत नमकीन भण्डार, नया बाजार
रुचि नमकीन, चावड़ी बाजार
मोबा. 9826348848, 9977308454

सीएम हेल्पलाइन में श्योपुर जिले को मिली ए-ग्रेड

बलराम कृषि महोत्सव आयोजन की तैयारियां करने के निर्देश

श्योपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान निर्देश दिये कि बलराम कृषि महोत्सव के आयोजन की समुचित तैयारियां सुनिश्चित की जायें, यह महोत्सव 2 सितंबर को कृषि उपज मंडी परिसर श्योपुर में आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी वर्चुअली माध्यम से जुडेगे। एसडीएम श्योपुर के समन्वय से उप संचालक कृषि एवं मंडी सचिव समन्वय से उक्त कार्यक्रम की तैयारियां सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में एसडीएम श्योपुर श्री गगन सिंह मीणा, कराहल श्री बीएस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य एवं श्री शिवलाल शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान श्योपुर जिले को 81.93 प्रतिशत वेटेज स्कोर के साथ ए-ग्रेड मिलने पर सभी अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सकारात्मक निराकरण की गति को बनाये रखे। सभी विभाग आगामी माह में ए-ग्रेड लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें। इस अवसर पर

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की गई, साथ ही जनसुनवाई के आवेदनों पर कार्यवाही की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि ऐसे उप स्वास्थ्य केन्द्र जहां सीएचओ के पद रिक्त है और अन्य संस्थाओं में पदस्थ सीएचओ को अतिरिक्त प्रभार दिया हुआ है, उन्हें निर्देशित करे कि प्रभार वाले उप स्वास्थ्य केन्द्रों में बैठने के दिन और समय निर्धारित करते हुए सूचना चस्पा की जायें। पैक्स सदस्यता अभियान के संबंध में निर्देश दिये गये कि जिले को प्राप्त 6 हजार 748 नवीन सदस्य के लक्ष्य की पूर्ति की जायें, इसके लिए एग्रीस्टेक, पैक्स सदस्यता अभियान भी जारी है, वर्तमान में 2859 नवीन सदस्य बनाये गये है, इसकी गति को ओर बढाया जायें तथा सहकारी संस्थाओं में लक्ष्य अनुसार नवीन सदस्य बनाये जायें। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने नगरपालिका सीएमओ को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत 11 सितंबर को नगरपालिका श्योपुर में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित की जायें, इसके साथ ही उन्होंने नगर सौन्दर्यकरण के लिए कार्य किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख स्थलों, सडको आदि पर आकर्षक साइन बोर्ड लगाये जायें तथा शहरी स्वच्छता को बढाने के लिए डस्टबीन रखे जायें। इसके साथ ही कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने निर्देश दिये कि कोई भी अधिकारी बगैर पूर्व लिखित अनुमति के मुख्यालय न छोडे, वरिष्ठ कार्यालयों में बैठक में जाने पर लिखित अनुमति प्राप्त की जायें। उन्होंने आईटीआई में सीटों के अनुसार प्रवेश पूर्ण करने के निर्देश भी दिये।

सांदीपनि विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

श्योपुर, जीएनएस। संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में सांदीपनि विद्यालय, श्योपुर में विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संत रविदास जी के जीवन, विचारों, सामाजिक समरसता एवं मानवता के संदेश को अपने भाषणों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। भाषण प्रतियोगिता का संचालन श्री सोनू जैन एवं श्री नरेंद्र शर्मा द्वारा किया गया। उक्त प्रतियोगिता में वेदिका शर्मा ने प्रथम स्थान, प्रगति बेरवा ने द्वितीय स्थान तथा पूर्ति धाकड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रक्षाबंधन पर बंदियो से खुली मुलाकात का समय निर्धारित

श्योपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर जिला जेल श्योपुर में खुली मुलाकात के संबंध में निर्देश जारी किये गये है। जिसके तहत जेल में निरूद्ध बंदियो को राखी बांधने के लिए आने वाली बहनों को मुलाकात की अनुमति दी जायेगी। जेल अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर जिला जेल श्योपुर में खुली मुलाकात के निर्देश प्राप्त हुए है। इस क्रम में बंदियो से मुलाकात कर राखी बांधने के लिए बहनों को ही अनुमति दी जायेगी। खुली मुलाकात का समय रक्षाबंधन 28 अगस्त को प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। बहने अपने साथ राखी एवं 100 ग्राम सूखी मिठाई ला सकेगी, पुरूषो की मुलाकात प्रतिबंधित रहेगी।

कराहल एवं ककरधा में मलेरिया सर्वे एवं उपचार अभियान

श्योपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसएन बिंदल के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा संघन मलेरिया नियंत्रण एवं रोकथाम गतिविधियां संचालित की गईं। अभियान के दौरान ग्राम कराहल एवं ककरधा में कुल 155 घरों का लार्वा सर्वेक्षण किया गया तथा 25 बुखार से पीड़ित मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। सर्वेक्षण के दौरान 4 घरों में मच्छरों का लार्वा पाया गया, जिसका तत्काल निस्तीकरण किया गया तथा संबंधित परिवारों को घर के आसपास पानी जमा न होने देने के लिए समझाइश दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्रामवासियों को मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित

रोगों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया।

ग्रामीणों को समझाइश दी गई कि बुखार आने पर तत्काल रक्त की जांच करवाएं एवं चिकित्सकीय सलाह के अनुसार पूरा उपचार लें। रात में सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। घरों में पानी से भरे बर्तनों को ढककर रखें, कूलर एवं पानी की टंकियों की सप्ताह में कम से कम एक बार सफाई करें तथा घर एवं आसपास जमा पानी की निकासी सुनिश्चित करें। इस दौरान मलेरिया निरीक्षक श्री नरसिंह गोड सीएचओ श्री भूपेंद्र मीना, आशा सहयोगिनी श्रीमती प्रतिमा, आशा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहें।

आज पर्यावरण को बचाने और उसके सौंदर्य को समझने के लिए रामायण का अध्ययन जरूरी

संजय गोस्वामी

पर्यावरण आज पूरी मानवता के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। विकास की तेज दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति से अपने संबंधों को लगातार कमजोर किया है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, जल स्रोतों का लगातार कम होना, बढ़ता वायु प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं हमारे सामने हैं। इन परिस्थितियों में केवल आधुनिक तकनीक और कानूनों के सहारे पर्यावरण को सुरक्षित रखना संभव नहीं है। इसके लिए समाज की सोच और जीवनशैली में भी बदलाव आवश्यक है। भारतीय संस्कृति और हमारे प्राचीन ग्रंथ इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दे सकते हैं। इसी दृष्टि से रामायण का अध्ययन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है।

रामायण को सामान्यतः धार्मिक और आध्यात्मिक ग्रंथ के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसके व्यापक संदेश में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति मनुष्य के कर्तव्यों की झलक भी मिलती है। भगवान श्रीराम का जीवन प्रकृति के साथ गहरे संबंध का उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनके वनवास का बड़ा हिस्सा जंगलों, नदियों, पर्वतों और प्राकृतिक परिवेश के बीच बीता। इस दौरान प्रकृति केवल पृष्ठभूमि नहीं थी, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा थी। वन, वृक्ष, नदियां, पर्वत और जीव-जंतु उस जीवन व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग थे।

रामायण में वर्णित वन प्रदेश हमें उस समय की प्राकृतिक समृद्धि का परिचय कराते हैं। घने जंगल, स्वच्छ जलधाराएं, विविध प्रकार के वृक्ष और वन्य जीव जीवन का हिस्सा थे। ऋषि-मुनियों के आश्रम भी प्राकृतिक वातावरण में स्थित होते थे। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय जीवन पद्धति में प्रकृति से दूरी बनाने के बजाय उसके साथ सामंजस्य स्थापित करने की परंपरा रही है। मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं, बल्कि उसका एक हिस्सा है–यह विचार आज पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

भगवान श्रीराम के वनवास का प्रसंग हमें प्रकृति के साथ रहने की कला सिखाता है। राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण जीवन से निकलकर उन्होंने वन का जीवन स्वीकार किया। वन में रहते हुए उन्हें प्राकृतिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन प्रकृति को जीतने या उसके संसाधनों का असीमित दोहन करने की भावना उनके जीवन में दिखाई नहीं देती। इसके विपरीत उनका जीवन प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देता है।

आज मनुष्य ने अपनी सुविधा के लिए प्रकृति के संसाधनों का जिस गति से उपयोग किया है, उसका परिणाम पर्यावरणीय असंतुलन के रूप में सामने आ रहा है। शहरों का विस्तार हो रहा है, जंगल घट रहे हैं और प्राकृतिक जल स्रोतों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। नदियों में गंदगी और औद्योगिक कचरा पहुंच रहा है। हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। तापमान में बदलाव और मौसम के असामान्य व्यवहार ने भी चिंता बढ़ाई है। ऐसे समय में हमें यह समझने की आवश्यकता है कि प्रकृति केवल संसाधनों का भंडार नहीं है।

भारतीय परंपरा में पेड़-पौधों को भी विशेष सम्मान दिया गया है। अनेक वृक्षों को धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन से जोड़ा गया। इसका एक कारण यह भी रहा कि वृक्ष जीवन के लिए आवश्यक वायु, छाया, फल और अनेक उपयोगी वस्तुएं प्रदान करते हैं। इसी प्रकार नदियों को मां का दर्जा देकर उनके प्रति श्रद्धा का भाव विकसित किया गया। इससे समाज में जल और वन संरक्षण की भावना मजबूत होती थी।

रामायण में नदियों और प्राकृतिक स्थलों का बार-बार उल्लेख मिलता है। इससे यह समझा जा सकता है कि प्राचीन भारतीय जीवन में जल स्रोतों का कितना महत्व था। आज जब देश के अनेक हिस्सों में जल संकट गंभीर होता जा रहा है, तब जल को केवल उपयोग की वस्तु मानने के बजाय जीवन का आधार समझना जरूरी है। जल की एक-एक बूंद बचाने और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति की है।

पर्यावरण संरक्षण का अर्थ केवल अधिक से अधिक पेड़ लगाना नहीं है। इसका अर्थ प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना भी है। यदि एक ओर हम पौधे लगाते हैं और दूसरी ओर अनावश्यक रूप से पेड़ों की कटाई करते हैं, जल स्रोतों को प्रदूषित करते हैं और प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग करते हैं, तो पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसके लिए जीवनशैली में संयम और संतुलन आवश्यक है।

रामायण का अध्ययन हमें इसी संतुलन की ओर ले जा सकता है। इसमें त्याग, संयम, कर्तव्य और सह-अस्तित्व जैसे मूल्यों पर जोर मिलता है। आज की उपभोक्तावादी जीवनशैली में इन मूल्यों की जरूरत और बढ़ गई है। आवश्यकता से अधिक उपभोग प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाता है। यदि मनुष्य अपनी जरूरत और लालच के बीच अंतर समझ सके तो पर्यावरण पर पड़ने वाला दबाव काफी कम किया जा सकता है। नई पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने में भी रामायण और भारतीय संस्कृति के अन्य ग्रंथ उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को केवल पर्यावरण संरक्षण के नियम बताने के बजाय प्रकृति के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित करना सिखाया जाना चाहिए। यदि बच्चे नदी को केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि जीवनदायिनी समझेंगे और पेड़ को केवल लकड़ी देने वाला साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानेंगे, तो उनके भीतर संरक्षण की भावना स्वतः विकसित होगी।

आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने प्राचीन ज्ञान को आधुनिक पर्यावरणीय चुनौतियों से जोड़कर देखें। आधुनिक विज्ञान हमें प्रदूषण कम करने, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की तकनीक दे सकता है, जबकि हमारी सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति के प्रति संवेदनशील सोच विकसित कर सकती हैं। दोनों का संतुलित उपयोग ही पर्यावरण संरक्षण का मजबूत आधार बन सकता है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों, नगर निकायों या पर्यावरण संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक की इसमें भूमिका है। घर में पानी की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का उचित निपटान, अधिक से अधिक पौधे लगाना, पेड़ों की रक्षा करना और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना जैसे छोटे कदम भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यदि समाज के करोड़ों लोग अपनी जिम्मेदारी समझें तो पर्यावरण की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार संभव है।

195 मरीजों की हुई नेत्र जांच, नेत्रदान पखवाड़े का भी किया शुभारंभ

102वें नेत्र शिविर में 65 मरीजों के लेंस प्रत्यारोपित

ग्वालियर जीएनएस

गुरु देव चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रतनज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से स्वर्गीय आशा देवी जैन की स्मृति में 102वें नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रशांत गंगवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानव सेवा का कार्य ईश्वर की भक्ति से भी श्रेष्ठ है। जरूरतमंद लोगों को नेत्र ज्योति प्रदान करना समाजसेवा का पुनीत कार्य है।

195 मरीजों की हुई नेत्र जांच : शिविर में 195 मरीजों की नेत्र जांच की गई। इनमें से जरूरतमंद 65 मरीजों के लेंस प्रत्यारोपण किए गए। लेंस प्रत्यारोपण के बाद मरीजों को नेत्र ज्योति मिलने पर शिविर में मौजूद लोगों ने सेवा कार्य की सराहना की।

नेत्रदान के लिए किया प्रेरित : शिविर के दौरान नेत्रदान पखवाड़े का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर लोगों को नेत्रदान के महत्व की जानकारी देते हुए मृत्यु के बाद नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने कहा कि नेत्रदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लौटाई जा सकती है।

कार्यक्रम में स्वागत अध्यक्ष अशोक जैन और सचिव रामबाबू अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जवाहरलाल, अशोक शर्मा, डॉ. राजीव भार्गव और शिवदास शर्मा सहित अन्य लोग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने और लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश

निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने नगर निगम मुख्यालय का किया निरीक्षण

ग्वालियर जीएनएस

निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागों में कार्य व्यवस्था का जायजा लेने के साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर कामकाज की जानकारी ली।

सभी विभागों में पहुंचकर देखी व्यवस्थाएं : निगमायुक्त ने संपत्तिकर, जनकार्य, जीएडी, जनकल्याण, एनयूएलएम, विधि, राजस्व, स्वच्छ भारत मिशन, कंप्यूटर शाखा और वित्त विभाग सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभागों में चल रहे कार्यों और आमजन से जुड़े प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली।

आमजन से जुड़े कार्यों में पेंडेंसी नहीं रखने के निर्देश : निगमायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी समय पर कार्यालय पहुंचें और आमजन से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक पेंडेंसी नहीं रखें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं और आवेदनों का समयसीमा में निराकरण किया जाए, ताकि उन्हें कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

कार्यालयों में सफाई और व्यवस्थित व्यवस्था पर जोर : निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कार्यालयों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी सामग्री गंदी या खुले में बिखरी हुई नहीं होनी चाहिए। कार्यालय में रखी सामग्री को व्यवस्थित तरीके से रखा जाए और कार्यस्थल की स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

अधिकारियों-कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर किया स्मरण

सुशीला देवी की तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

ग्वालियर जीएनएस

वीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज के चेयरमैन डॉ. सुनील कुमार सिंह राठौर की माताजी स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी की तृतीय पुण्यतिथि पर वीआईएसएम परिसर स्थित गुरुबख्श सिंह सभागार में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वर्गीय सुशीला देवी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सभा में संस्था की ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह ने कहा कि माता-पिता का स्नेह, आशीर्वाद और उनके दिए संस्कार जीवन की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। स्वर्गीय सुशीला देवी का व्यक्तित्व सादगी, ममता और संस्कारों से परिपूर्ण था। उन्होंने परिवार को जो संस्कार और जीवन मूल्य प्रदान किए, वे सदैव सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी प्रियजन का भौतिक रूप से हमारे बीच न होना अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनके विचार, संस्कार और जीवन मूल्यों के माध्यम से उनकी स्मृतियां सदैव जीवित रहती हैं। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय सुशीला देवी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

गोला का मंदिर पुलिस ने 32 बोर की पिस्टल, जिंदा राउंड और चला हुआ खोखा किया बरामद

प्रेम प्रसंग की रंजिश में युवक को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

प्रेम प्रसंग को लेकर रंजिश के चलते युवक पर गोली चलाकर फरार हुए आरोपी को गोला का मंदिर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल 32 बोर की पिस्टल, एक जिंदा राउंड और एक चला हुआ खोखा बरामद किया है। आरोपी से वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

पीठ में लगी थी गोली, ट्रॉमा सेंटर में कराया भर्ती : 23 अगस्त की रात करीब 10.25 बजे नारायण विहार कॉलोनी निवासी सचिन श्रीवास ड्यूटी खत्म कर पैदल घर जा रहा था। मंगाराम फैक्ट्री के सामने सड़क किनारे रुकने के दौरान मोटरसाइकिल से आए अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से उस पर गोली चला दी। गोली उसकी पीठ के दाहिने हिस्से में लगी। आरोपी वारदात के बाद मोटरसाइकिल से गोला का मंदिर चौराहे की ओर फरार हो गया। घायल सचिन को परिजन और डायल-112 की मदद से उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर जेएएच में भर्ती कराया गया। उसकी रिपोर्ट पर गोला का मंदिर थाने में अपराध क्रमांक 316/26, धारा 109(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

बयान में सामने आया आरोपी का नाम : घटना के बाद पुलिस ने घायल के होश में आने और बयान देने की स्थिति में आने पर उसके बयान दर्ज किए। सचिन ने पुलिस को बताया कि करीब चार-पांच महीने पहले उसकी मुलाकात केशर टावर स्थित एक शोरूम में काम करने वाले बृजेश बरैया से हुई थी। बृजेश की परिचित युवती से सचिन की बातचीत होने के कारण वह उससे रंजिश रखने लगा था। सचिन के मुताबिक 12 अगस्त को सिम्को तिराहा पर बृजेश ने उसे युवती से बातचीत बंद करने और उससे नहीं मिलने की धमकी दी थी। इसके बाद 23 अगस्त को बृजेश नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल से आया और पीछे से गोली मारकर फरार हो गया।

कैमरों के फुटेज से मिला सुराग : पुलिस ने फरियादी के बयान के आधार पर 12 अगस्त के स्मार्ट सिटी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसमें बृजेश बरैया नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल से जाता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस टीम ने केशर टावर स्थित शोरूम पहुंचकर बृजेश को अभिरक्षा में लिया और पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में अपराध स्वीकार करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर मेला ग्राउंड स्थित एक खंडहर से वारदात में इस्तेमाल 32 बोर की पिस्टल, एक जिंदा राउंड और एक चला हुआ खोखा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी बृजेश बरैया पुत्र राजेन्द्र सिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी गौतम नगर थाटीपुर है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव, उपनिरीक्षक मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक जयेन्द्र सिंह कुशवाह, प्रधान आरक्षक उत्तम सिंह यादव, योगेन्द्र सिकरवार, आरक्षक राहुल भदौरिया, गोविन्द, राहुल शर्मा, कुलदीप गुर्जर और सोनू गुर्जर की भूमिका रही।

कल मेगा आई चेकअप कैंप

निशुल्क नेत्र परीक्षण के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों की मिलेगी सलाह

ग्वालियर जीएनएस

लायन्स क्लब ऑफ ग्वालियर एवं लायन्स समर्पण आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में 27 अगस्त को मेगा आई चेकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। शिविर लायन्स समर्पण आई हॉस्पिटल, मयूर नगर, थाटीपुर में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगेगा।

कंप्यूटराइज्ड जांच और विशेषज्ञों की सलाह : शिविर में नागरिकों के निशुल्क नेत्र परीक्षण के साथ कंप्यूटराइज्ड आई टेस्टिंग, चश्मे की जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जरूरतमंद मरीजों को मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र रोगों के उपचार और ऑपरेशन के संबंध में उचित मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

नागरिकों से शिविर का लाभ लेने की अपील : आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर अपनी और परिवार के सदस्यों की आंखों की जांच करवाएं। समय पर नेत्र परीक्षण से आंखों से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर उनका उपचार कराने में मदद मिलती है।

शिविर का आयोजन अध्यक्ष लायन नरेंद्र अग्रवाल, मानसेवी सचिव लायन पुनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन राहुल गोयल, वीपी इंचार्ज लायन लेखराज रावल एवं कन्वीनर लायन पीसी माथुर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।